Sample

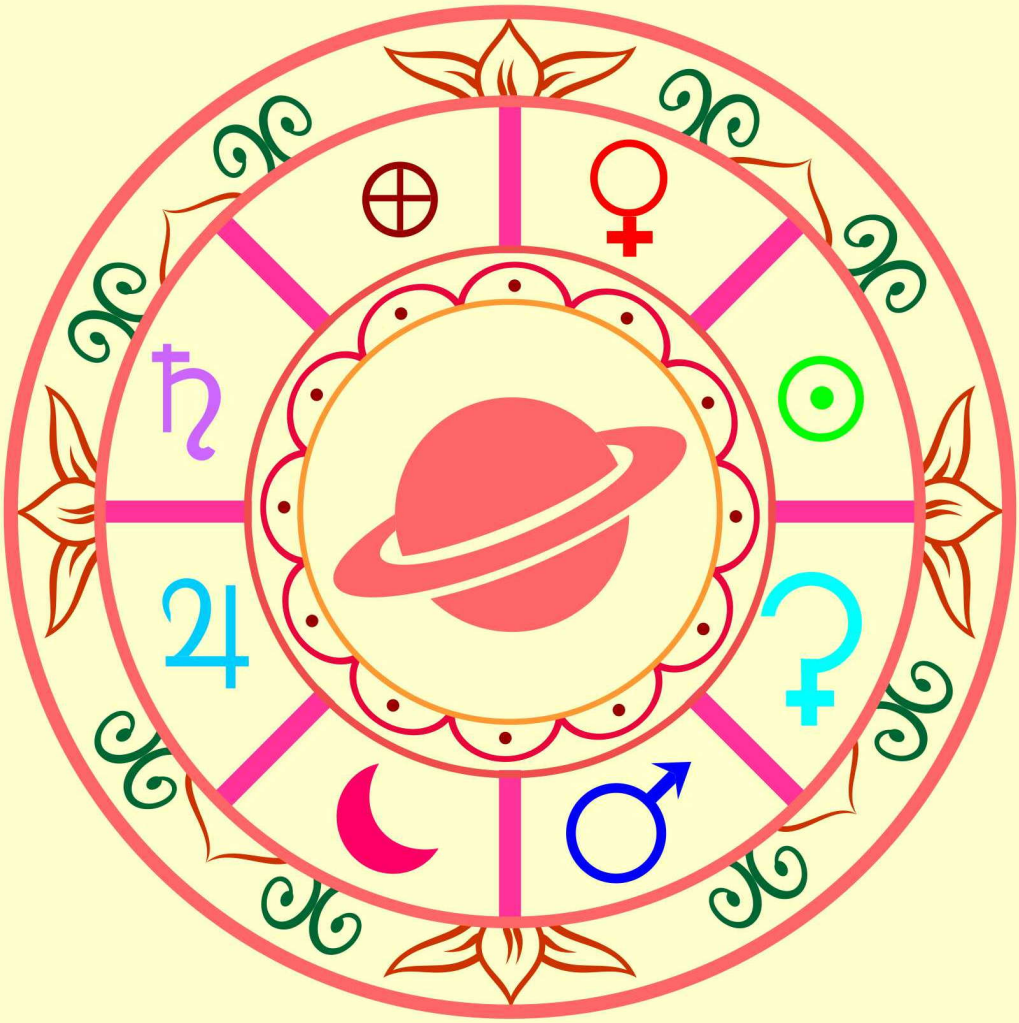

गोचर कुण्डली

Ajit Kumar Singh

Contact - ----------

* While all precautions have been taken for the accuracy of the astrological calculations, the maker of these horoscopes makes no warranties, either expressed or implied.

ज्योतिष सारिणी

	Sample	Transit
जन्म दिन :	18 दिसम्बर 1973 (मंगलवार)	13 जनवरी 2021 (बुधवार)
ज्योतिषिय वार :	सोमवार	बुधवार
जन्म समय:	01:45:00AM	03:41:37PM
जन्म स्थान :	Ballia , INDIA	Sasaram , INDIA
रेखांश :	084:10:00E	084:02:00E
अक्षांश :	025:45:00N	024:57:00N
समयक्षेत्र :	-05:30:00 hrs	-05:30:00 hrs
समय संशोधन :	00:00:00 hrs	00:00:00 hrs
जी. एम. टी. समय:	20:15:00 hrs	10:11:37 hrs
स्थानीय समय संस्कार :	00:06:40 hrs	00:06:08 hrs
स्थानीय समय:	01:51:40 hrs	15:47:45 hrs
इष्टकाल :	47: 52: 16 घटी	22: 25: 39 घटी

लग्न :	कन्या	मिथुन
लग्नाधिपति :	बुध	बुध
राशि (चन्द्रमा) :	कन्या	मकर
राशिपति :	बुध	शनि
नक्षत्र :	हस्त	उत्तराषाढ़
नक्षत्रपति :	चन्द्रमा	सूर्य
नक्षत्र चरण :	2	2
पाया :	स्वर्ण	लौह
ऋतु :	हेमन्त	हेमन्त
मास :	पौष	पौष
पक्ष :	कृष्ण	शुक्ल
तिथि :	नवमी	प्रतिपदा
तिथि श्रेणी :	रिक्ता	नन्दा
तिथि पति :	सूर्य	सूर्य
करण :	गरिज	किम्सतुघ्न
करण श्रेणी :	चर	स्थिर
करणपति :	वासुदेव	कुबेर
सूर्य सिद्धान्त योग :	सौभाग्य	हर्षण
तत्व :	अग्नि	वायु
तत्वाधिपति :	मंगल	शनि
विहग :	वायस	कुक्कुट
वेध :	शतभिषा	पुनर्वसु
आद्याक्षर :	ष, षि, षु, षे, षो	भो

Date of Transit : DD MM YYYY

Time ofTransit : HH Mi SS

गोचर की तारीख 13:01:2021 गोचर का समय – 15:41:37 गोचर का स्थान – Sasaram (INDIA)

ग्रह स्थिति (गोचर)

Sample						Transit					
ग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र	वि.	वि.	ग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र	वि.	वि.
लग्न	कन्या	28:15:29	चित्रा (2)	–	–	लग्न	मिथुन	07:23:23	अरिद्रा (1)	–	–
सूर्य	धनु	02:15:49	मूला (1)	मे0ग्र0	ग्र0	सूर्य	धनु	29:17:50	उत्तराषाढ़ (1)	मे0ग्र0	शु0ग्र0
चन्द्रमा	कन्या	16:00:57	हस्ता (2)	श0ग्र0	–	चन्द्रमा ज	मकर	02:05:06	उत्तराषाढ़ (2)	श0ग्र0	ज्व0
मंगल	मेष	04:42:18	अश्विनी (2)	मूत्रि	–	मंगल	मेष	08:54:33	अश्विनी (3)	मूत्रि	–
बुध ज	वृश्चिक	19:51:24	ज्येष्ठा (1)	श0ग्र0	–	बुध	मकर	13:51:40	श्रवण (2)	मे0ग्र0	शु0ग्र0
गुरू	मकर	17:56:39	श्रवण (3)	त0ग्र0	शु0ग्र0	गुरू	मकर	11:30:55	श्रवण (1)	त0ग्र0	शु0ग्र0
शुक्र	मकर	13:00:16	श्रवण (1)	मे0ग्र0	शु0ग्र0	शुक्र	धनु	11:50:05	मूला (4)	श0ग्र0	दु0ग्रह
शनि व	मिथुन	08:12:33	अरिद्रा (1)	त0ग्र0	ग्र0	शनि ज	मकर	08:55:18	उत्तराषाढ़ (4)	स0	शु0ग्र0
राहु व	धनु	05:10:35	मूला (2)	मे0ग्र0	दु0ग्रह	राहु व	वृष	24:03:14	मृगशिरा (1)	मे0ग्र0	–
केतु व	मिथुन	05:10:35	मृगशिरा (4)	त0ग्र0	दु0ग्रह	केतु व	वृश्चिक	24:03:14	ज्येष्ठा (3)	मे0ग्र0	–
हर्षल	तुला	03:20:59	चित्रा (4)	–	–	हर्षल व	मेष	12:34:32	अश्विनी (4)	–	दु0ग्रह
नेपच्यून	वृश्चिक	14:20:41	अनुराधा (4)	–	शु0ग्र0	नेपच्यून	कुम्भ	24:35:43	पूर्वाभाद्र (2)	–	–
प्लूटो	कन्या	13:11:14	हस्ता (1)	–	दु0ग्रह	प्लूटो ज	मकर	00:27:08	उत्तराषाढ़ (2)	–	ज्व0

नवांश कुण्डली

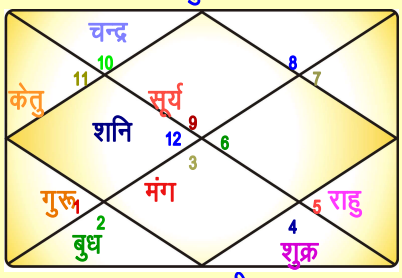

चन्द्र कुण्डली

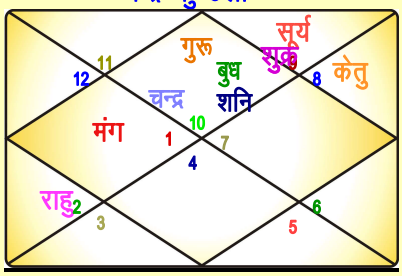

Transit
लग्न कुण्डली

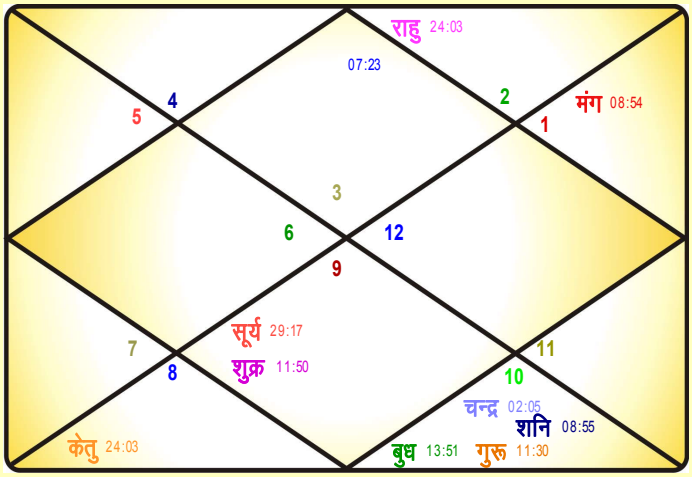

Sample
लग्न कुण्डली

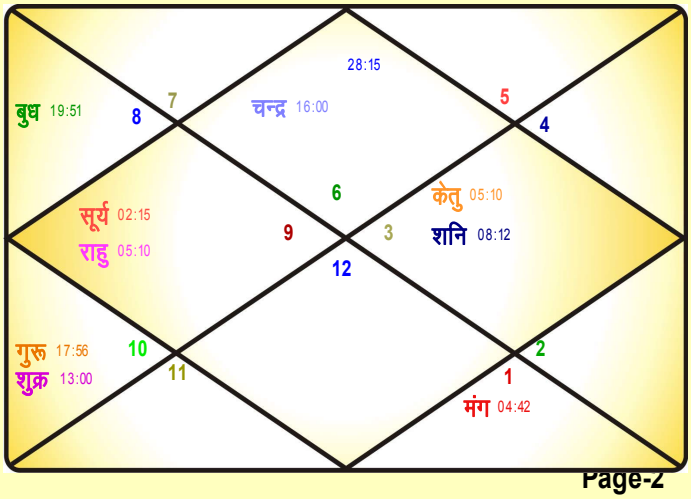

नवांश कुण्डली

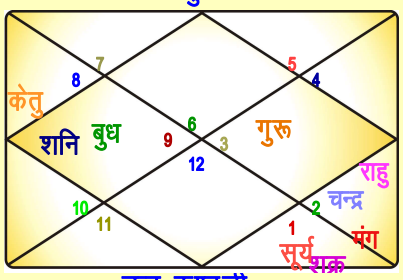

चन्द्र कुण्डली

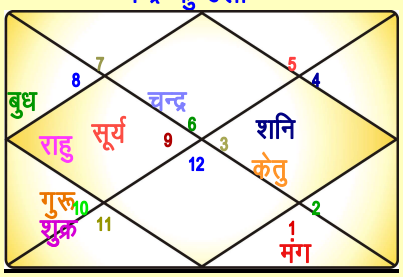

Sample DOB-18:12:1973 TOB-01:45:00 POB-Ballia

ग्रह स्थिति

ग्रह		राशि	राशि	डिग्री	नक्षत्र – चरन	न0 पति	सप्तकारक	विशेष	विशेष
लग्न		कन्या	बुध	28:15:29	चित्रा.2	मंगल	...	...	...
सूर्य		धनु	गुरू	02:15:49	मूला.1	केतु	दारा	मित्र के भाव में	ग्रस्त
चन्द्रमा		कन्या	बुध	16:00:57	हस्ता.2	चन्द्रमा	भ्रात्रि	शत्रु के भाव में	––
मंगल		मेष	मंगल	04:42:18	अश्विनी.2	केतु	ज्ञाति	मूलत्रिकोन	––
बुध		वृश्चिक	मंगल	19:51:24	ज्येष्ठा.1	बुध	आत्म	शत्रु के भाव में	––
गुरू		मकर	शनि	17:56:39	श्रवण.3	चन्द्रमा	अमात्य	तटस्थ भाव में	शुभ ग्रह के साथ
शुक्र		मकर	शनि	13:00:16	श्रवण.1	चन्द्रमा	मात्रि	मित्र के भाव में	शुभ ग्रह के साथ
शनि व		मिथुन	बुध	08:12:33	अरिद्रा.1	राहु	अपत्या	तटस्थ भाव में	ग्रस्त
राहु व		धनु	गुरू	05:10:35	मूला.2	केतु	...	मित्र के भाव में	दुष्ट ग्रह के साथ
केतु व		मिथुन	बुध	05:10:35	मृगशिरा.4	मंगल	...	तटस्थ भाव में	दुष्ट ग्रह के साथ
हर्षल		तुला	शुक्र	03:20:59	चित्रा.4	मंगल	...	––	––
नेपच्यून		वृश्चिक	मंगल	14:20:41	अनुराधा.4	शनि	...	––	शुभ ग्रह के साथ
प्लूटो		कन्या	बुध	13:11:14	हस्ता.1	चन्द्रमा	...	––	दुष्ट ग्रह के साथ

लग्न कुण्डली

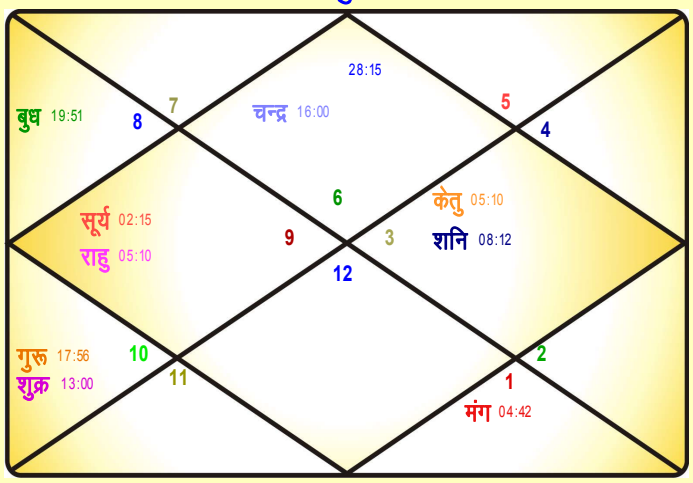

नवांश कुण्डली

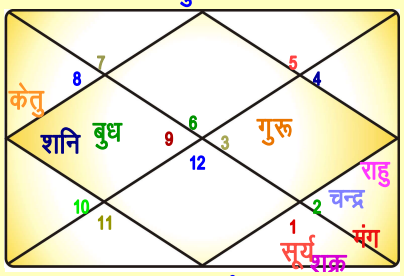

चन्द्र कुण्डली

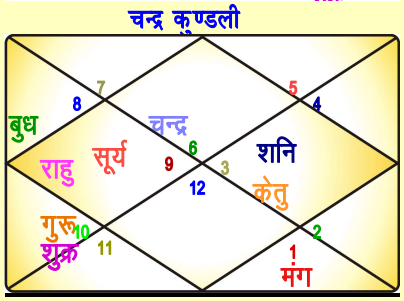

ग्रह से ग्रह और ग्रह से लग्न के बीच की दूरी

	लग्न	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	राहु	केतु	हर्षल	नेपच्यून	प्लूटो
लग्न	---	64	348	186	52	110	105	250	67	247	5	46	345
सूर्य	296	---	284	122	348	46	41	186	3	183	301	342	281
चन्द्रमा	12	76	---	199	64	122	117	262	79	259	17	58	357
मंगल	174	238	161	---	225	283	278	64	240	60	179	220	158
बुध	308	12	296	135	---	58	53	198	15	195	313	354	293
गुरू	250	314	238	77	302	---	355	140	317	137	255	296	235
शुक्र	255	319	243	82	307	5	---	145	322	142	260	301	240
शनि	110	174	98	296	162	220	215	---	177	357	115	156	95
राहु	293	357	281	120	345	43	38	183	---	180	298	339	278
केतु	113	177	101	300	165	223	218	3	180	---	118	159	98
हर्षल	355	59	343	181	47	105	100	245	62	242	---	41	340
नेपच्यून	314	18	302	140	6	64	59	204	21	201	319	---	299
प्लूटो	15	79	3	202	67	125	120	265	82	262	20	61	---

0,1,359	कन्जक्शॅन	59,60,61,299,300,301	सेक्सटाइल	89,90,91,269,270,271	स्कवायर
119,120,121,239,240,241	ट्राइन	149,150,151,209,210,211	क्वीनकक्सं	179,180,181	अपोजीसन

For Mindsutra Software Technologies

गोचर शनि

(शनि साढ़ेसाती)

द्वादशे जन्मगै राशौ द्वितीये च शनैश्चर।
सर्धानि सप्त वर्षाणि तथा दुखैर्युतो भवेत।।

गोचर में जब शनि ग्रह, जन्म चन्द्र से बारहवें, पहले और दूसरे भाव में भ्रमण करता है, उस समय (लगभग साढ़े सात वर्ष तक) को शनि साढ़ेसाती के नाम से जाना जाता है।

शनि साढ़ेसाती का पहला चक्र

साढ़ेसाती चक्र	राशि में गोचर	आरम्भ का समय	समाप्ति का समय	भ्रमण काल (व-म-दि)	शनि मूर्ति
प्रथम ढ़ैया	सिंह	07:09:1977	04:11:1979	2 y.1 m.27 d.	ताम्र
(जन्म चन्द्र से बारहवें)	सिंह	15:03:1980	27:07:1980	0 y.4 m.12 d.	
द्वितिय ढ़ैया	कन्या	04:11:1979	15:03:1980	0 y.4 m.10 d.	स्वर्ण
(जन्म चन्द्र से पहले)	कन्या	27:07:1980	06:10:1982	2 y.2 m.10 d.	
तृतिय ढ़ैया	तुला	06:10:1982	21:12:1984	2 y.2 m.15 d.	रूपया
(जन्म चन्द्र से दूसरे)	तुला	01:06:1985	17:09:1985	0 y.3 m.17 d.	
कंटक शनि	धनु	17:12:1987	21:03:1990	2 y.3 m.3 d.	ताम्र
(जन्म चन्द्र से चौथे)	धनु	20:06:1990	15:12:1990	0 y.5 m.26 d.	
अष्टम शनि	मेष	17:04:1998	07:06:2000	2 y.1 m.21 d.	ताम्र
(जन्म चन्द्र से आठवें)					

शनि साढ़ेसाती का दूसरा चक्र

साढ़ेसाती चक्र	राशि में गोचर	आरम्भ का समय	समाप्ति का समय	भ्रमण काल (व-म-दि)	शनि मूर्ति
प्रथम ढ़ैया	सिंह	01:11:2006	10:01:2007	0 y.2 m.9 d.	ताम्र
(जन्म चन्द्र से बारहवें)	सिंह	16:07:2007	10:09:2009	2 y.1 m.25 d.	
द्वितिय ढ़ैया	कन्या	10:09:2009	15:11:2011	2 y.2 m.5 d.	स्वर्ण
(जन्म चन्द्र से पहले)	कन्या	16:05:2012	04:08:2012	0 y.2 m.19 d.	
तृतिय ढ़ैया	तुला	15:11:2011	16:05:2012	0 y.6 m.0 d.	रूपया
(जन्म चन्द्र से दूसरे)	तुला	04:08:2012	02:11:2014	2 y.2 m.28 d.	
कंटक शनि	धनु	26:01:2017	21:06:2017	0 y.4 m.24 d.	ताम्र
(जन्म चन्द्र से चौथे)	धनु	26:10:2017	24:01:2020	2 y.2 m.29 d.	
अष्टम शनि	मेष	03:06:2027	20:10:2027	0 y.4 m.17 d.	ताम्र
(जन्म चन्द्र से आठवें)	मेष	23:02:2028	08:08:2029	1 y.5 m.14 d.	

शनि साढ़ेसाती का तीसरा चक्र

साढ़ेसाती चक्र	राशि में गोचर	आरम्भ का समय	समाप्ति का समय	भ्रमण काल (व-म-दि)	शनि मूर्ति
प्रथम ढ़ैया	सिंह	27:08:2036	22:10:2038	2 y.1 m.25 d.	ताम्र
(जन्म चन्द्र से बारहवें)	सिंह	05:04:2039	13:07:2039	0 y.3 m.8 d.	
द्वितिय ढ़ैया	कन्या	22:10:2038	05:04:2039	0 y.5 m.13 d.	स्वर्ण
(जन्म चन्द्र से पहले)	कन्या	13:07:2039	28:01:2041	1 y.6 m.16 d.	
तृतिय ढ़ैया	तुला	28:01:2041	06:02:2041	0 y.0 m.9 d.	रूपया
(जन्म चन्द्र से दूसरे)	तुला	26:09:2041	12:12:2043	2 y.2 m.16 d.	
कंटक शनि	धनु	08:12:2046	06:03:2049	2 y.2 m.27 d.	ताम्र
(जन्म चन्द्र से चौथे)	धनु	10:07:2049	04:12:2049	0 y.4 m.25 d.	
अष्टम शनि	मेष	07:04:2057	28:05:2059	2 y.1 m.20 d.	ताम्र
(जन्म चन्द्र से आठवें)					

गोचर बृहस्पति
(गुरू गोचर)

गुरू गोचर चक्र	राशि में गोचर	आरम्भ का समय	समाप्ति का समय	भ्रमण काल (व–म–दि)
चद्र राशि से दूसरे	तुला	27:10:1981	26:11:1982	1 y.1 m.0 d.
चद्र राशि से पांचवें	मकर	10:01:1985	25:01:1986	1 y.0 m.15 d.
चद्र राशि से सातवें	मीन	03:02:1987	16:06:1987	0 y.4 m.11 d.
	मीन	26:10:1987	03:02:1988	0 y.3 m.9 d.
चद्र राशि से नौवें	वृष	20:06:1988	02:07:1989	1 y.0 m.11 d.
चद्र राशि से ग्यारहवें	कर्क	21:07:1990	14:08:1991	1 y.0 m.24 d.
चद्र राशि से दूसरे	तुला	12:10:1993	11:11:1994	1 y.1 m.0 d.
चद्र राशि से पांचवें	मकर	26:12:1996	08:01:1998	1 y.0 m.13 d.
चद्र राशि से सातवें	मीन	26:05:1998	10:09:1998	0 y.3 m.16 d.
	मीन	13:01:1999	26:05:1999	0 y.4 m.11 d.
चद्र राशि से नौवें	वृष	02:06:2000	16:06:2001	1 y.0 m.13 d.
चद्र राशि से ग्यारहवें	कर्क	05:07:2002	30:07:2003	1 y.0 m.25 d.
चद्र राशि से दूसरे	तुला	28:09:2005	27:10:2006	1 y.0 m.29 d.
चद्र राशि से पांचवें	मकर	10:12:2008	01:05:2009	0 y.4 m.20 d.
	मकर	30:07:2009	20:12:2009	0 y.4 m.21 d.
चद्र राशि से सातवें	मीन	02:05:2010	01:11:2010	0 y.6 m.0 d.
	मीन	06:12:2010	08:05:2011	0 y.5 m.1 d.
चद्र राशि से नौवें	वृष	17:05:2012	31:05:2013	1 y.0 m.13 d.
चद्र राशि से ग्यारहवें	कर्क	19:06:2014	14:07:2015	1 y.0 m.25 d.
चद्र राशि से दूसरे	तुला	12:09:2017	11:10:2018	1 y.0 m.29 d.
चद्र राशि से पांचवें	मकर	30:03:2020	30:06:2020	0 y.3 m.0 d.
	मकर	20:11:2020	06:04:2021	0 y.4 m.15 d.
चद्र राशि से सातवें	मीन	13:04:2022	22:04:2023	1 y.0 m.9 d.
चद्र राशि से नौवें	वृष	01:05:2024	14:05:2025	1 y.0 m.12 d.
चद्र राशि से ग्यारहवें	कर्क	18:10:2025	05:12:2025	0 y.1 m.17 d.
	कर्क	02:06:2026	31:10:2026	0 y.4 m.29 d.
चद्र राशि से दूसरे	तुला	26:12:2028	29:03:2029	0 y.3 m.2 d.
	तुला	25:08:2029	25:01:2030	0 y.5 m.1 d.
चद्र राशि से पांचवें	मकर	05:03:2032	12:08:2032	0 y.5 m.7 d.
	मकर	23:10:2032	18:03:2033	0 y.4 m.24 d.
चद्र राशि से सातवें	मीन	28:03:2034	06:04:2035	1 y.0 m.9 d.
चद्र राशि से नौवें	वृष	15:04:2036	10:09:2036	0 y.4 m.26 d.
	वृष	17:11:2036	26:04:2037	0 y.5 m.8 d.
चद्र राशि से ग्यारहवें	कर्क	16:09:2037	17:01:2038	0 y.4 m.1 d.
	कर्क	11:05:2038	07:10:2038	0 y.4 m.27 d.
चद्र राशि से दूसरे	तुला	03:12:2040	06:05:2041	0 y.5 m.2 d.
	तुला	31:07:2041	02:01:2042	0 y.5 m.3 d.
चद्र राशि से पांचवें	मकर	16:02:2044	02:03:2045	1 y.0 m.14 d.
चद्र राशि से सातवें	मीन	13:03:2046	21:03:2047	1 y.0 m.8 d.
चद्र राशि से नौवें	वृष	18:08:2047	11:10:2047	0 y.1 m.23 d.
	वृष	28:03:2048	13:08:2048	0 y.4 m.16 d.
चद्र राशि से ग्यारहवें	कर्क	07:08:2049	08:03:2050	0 y.6 m.10 d.
	कर्क	02:04:2050	19:09:2050	0 y.5 m.18 d.

भचक्र में सर्व ग्रह गोचर

क्र. स.	गोचर में ग्रह	चन्द्र राशि से गोचर में स्थिति	शुभ/अशुभ	विरोधी ग्रह
1	सूर्य	IV	अशुभ	...
2	चन्द्रमा	V	अशुभ	...
3	मंगल	VIII	—	...
4	बुध	V	शुभ	...
5	गुरू	V	शुभ	सूर्य, शुक्र
6	शुक्र	IV	शुभ	...
7	शनि	V	अशुभ	...
8	राहु	IX	अशुभ	केतु
9	केतु	III	शुभ	राहु

अंग ग्रह

जन्म नक्षत्र से ग्रहों का गोचर

ग्रह	नक्षत्र गिनति	गोचर नक्षत्र	अंग	संभावित परिणाम
भानु (सूर्य)	9	उत्तराषाढ़	छाती	कार्य में सफलता
शशि (चन्द्रमा)	9	उत्तराषाढ़	दोनो आँखे	नये अवसर
भौम (मंगल)	16	अश्विनी	सिर	लाभ में वृद्धि
सौम्य (बुध)	10	श्रवण	दोनो हाथ	अप्रिय घटनाएँ
जीव (गुरू)	10	श्रवण	दोनो हाथ	अप्रिय घटनाएँ
भृगु (शुक्र)	7	मूला	दोनो हाथ	अप्रिय घटनाएँ
सौरी (शनि)	9	उत्तराषाढ़	बांया पैर	धन की कमी/हानि
असुर (राहु)	20	मृगशिरा	पेट	शारीरिक घनिष्टता
शिखी (केतु)	6	ज्येष्ठा	दाहिना पैर	दूरस्थ स्थान की यात्रा

पंगु चक्र
(शनि क्षेत्र)

(इस सिद्धान्त में, नक्षत्र गिनति करते समय शनि के गति के दिशा का भी ध्यान दिया जाता है।)

ग्रह	गति	नक्षत्र गिनति	गोचर नक्षत्र	अंग	संभावित परिणाम
सौरी (शनि)	मार्गी	9	उत्तराषाढ़	हृदय	खुशीओं में वृद्धि

अष्टक–वर्ग से ग्रह गोचर

जन्म कुण्डली से अनुमान

स अ बि राशि में	भि अ बि राशि में	ग्रह राशि	ग्रह	कक्ष पति	भि अ बि कक्षा में	कक्ष बल
25	5	धनु	सूर्य	शनि	1	3
32	5	कन्या	चन्द्रमा	शुक्र	1	5
27	4	मेष	मंगल	गुरू	0	3
35	5	वृश्चिक	बुध	बुध	1	4
26	5	मकर	गुरू	शुक्र	0	3
26	5	मकर	शुक्र	सूर्य	0	3
29	6	मिथुन	शनि	मंगल	1	4
25	1	धनु	राहु	चन्द्रमा	0	2

गोचर कुण्डली से अनुमान

स अ बि राशि में	भि अ बि राशि में	ग्रह राशि	ग्रह	कक्ष पति	भि अ बि कक्षा म	कक्ष बल
25	5	धनु	सूर्य	लग्न	1	5
26	3	मकर	चन्द्रमा	शनि	0	4
27	4	मेष	मंगल	मंगल	1	5
26	4	मकर	बुध	सूर्य	0	3
26	5	मकर	गुरू	सूर्य	1	3
25	3	धनु	शुक्र	सूर्य	0	3
26	2	मकर	शनि	मंगल	1	7
21	3	वृष	राहु	गुरू	1	2

For Mindsutra Software Technologies

विंशोत्तरी दशा

जन्म के समय विंशोत्तरी भोग्य दशा (एन सी लहरी अयनाश : ०२३:२६:३६) : चन्द्रमा : 5 व. 5 मा. 26 दि.

क0 स0	ग्रह दशा	अवधि	से ---------- तक
1	चन्द्रमा महादशा	5 y.5 m.26 d.	18:12:1973 --- 14:06:1979
2	मंगल महादशा	7 y.0 m.0 d.	14:06:1979 --- 14:06:1986
3	राहु महादशा	18 y.0 m.0 d.	14:06:1986 --- 13:06:2004
4	गुरू महादशा	16 y.0 m.0 d.	13:06:2004 --- 13:06:2020
5	शनि महादशा	19 y.0 m.0 d.	13:06:2020 --- 14:06:2039
6	बुध महादशा	17 y.0 m.0 d.	14:06:2039 --- 13:06:2056
7	केतु महादशा	7 y.0 m.0 d.	13:06:2056 --- 14:06:2063
8	शुक्र महादशा	20 y.0 m.0 d.	14:06:2063 --- 14:06:2083
9	सूर्य महादशा	6 y.0 m.0 d.	14:06:2083 --- 14:06:2089

विंशोत्तरी अन्तर्दशा

चन्द्रमा दशा

अन्तर्दशा	से --- तक
चन्द्रमा	
मंगल	
राहु	
गुरू	
शनि	18:12:1973 - 14:04:1975
बुध	14:04:1975 - 13:09:1976
केतु	13:09:1976 - 14:04:1977
शुक्र	14:04:1977 - 13:12:1978
सूर्य	13:12:1978 - 14:06:1979

मंगल दशा

अन्तर्दशा	से --- तक
मंगल	14:06:1979 - 10:11:1979
राहु	10:11:1979 - 28:11:1980
गुरू	28:11:1980 - 04:11:1981
शनि	04:11:1981 - 13:12:1982
बुध	13:12:1982 - 10:12:1983
केतु	10:12:1983 - 08:05:1984
शुक्र	08:05:1984 - 08:07:1985
सूर्य	08:07:1985 - 13:11:1985
चन्द्रमा	13:11:1985 - 14:06:1986

राहु दशा

अन्तर्दशा	से --- तक
राहु	14:06:1986 - 24:02:1989
गुरू	24:02:1989 - 20:07:1991
शनि	20:07:1991 - 27:05:1994
बुध	27:05:1994 - 13:12:1996
केतु	13:12:1996 - 01:01:1998
शुक्र	01:01:1998 - 01:01:2001
सूर्य	01:01:2001 - 25:11:2001
चन्द्रमा	25:11:2001 - 27:05:2003
मंगल	27:05:2003 - 13:06:2004

गुरू दशा

अन्तर्दशा	से --- तक
गुरू	13:06:2004 - 01:08:2006
शनि	01:08:2006 - 12:02:2009
बुध	12:02:2009 - 20:05:2011
केतु	20:05:2011 - 25:04:2012
शुक्र	25:04:2012 - 25:12:2014
सूर्य	25:12:2014 - 13:10:2015
चन्द्रमा	13:10:2015 - 12:02:2017
मंगल	12:02:2017 - 19:01:2018
राहु	19:01:2018 - 13:06:2020

शनि दशा

अन्तर्दशा	से --- तक
शनि	13:06:2020 - 17:06:2023
बुध	17:06:2023 - 24:02:2026
केतु	24:02:2026 - 05:04:2027
शुक्र	05:04:2027 - 05:06:2030
सूर्य	05:06:2030 - 17:05:2031
चन्द्रमा	17:05:2031 - 16:12:2032
मंगल	16:12:2032 - 25:01:2034
राहु	25:01:2034 - 01:12:2036
गुरू	01:12:2036 - 14:06:2039

बुध दशा

अन्तर्दशा	से --- तक
बुध	14:06:2039 - 10:11:2041
केतु	10:11:2041 - 07:11:2042
शुक्र	07:11:2042 - 07:09:2045
सूर्य	07:09:2045 - 14:07:2046
चन्द्रमा	14:07:2046 - 13:12:2047
मंगल	13:12:2047 - 10:12:2048
राहु	10:12:2048 - 29:06:2051
गुरू	29:06:2051 - 04:10:2053
शनि	04:10:2053 - 13:06:2056

केतु दशा

अन्तर्दशा	से --- तक
केतु	13:06:2056 - 10:11:2056
शुक्र	10:11:2056 - 10:01:2058
सूर्य	10:01:2058 - 17:05:2058
चन्द्रमा	17:05:2058 - 16:12:2058
मंगल	16:12:2058 - 14:05:2059
राहु	14:05:2059 - 01:06:2060
गुरू	01:06:2060 - 08:05:2061
शनि	08:05:2061 - 17:06:2062
बुध	17:06:2062 - 14:06:2063

शुक्र दशा

अन्तर्दशा	से --- तक
शुक्र	14:06:2063 - 13:10:2066
सूर्य	13:10:2066 - 13:10:2067
चन्द्रमा	13:10:2067 - 14:06:2069
मंगल	14:06:2069 - 14:08:2070
राहु	14:08:2070 - 14:08:2073
गुरू	14:08:2073 - 13:04:2076
शनि	13:04:2076 - 14:06:2079
बुध	14:06:2079 - 14:04:2082
केतु	14:04:2082 - 14:06:2083

सूर्य दशा

अन्तर्दशा	से --- तक
सूर्य	14:06:2083 - 01:10:2083
चन्द्रमा	01:10:2083 - 01:04:2084
मंगल	01:04:2084 - 07:08:2084
राहु	07:08:2084 - 02:07:2085
गुरू	02:07:2085 - 20:04:2086
शनि	20:04:2086 - 02:04:2087
बुध	02:04:2087 - 06:02:2088
केतु	06:02:2088 - 13:06:2088
शुक्र	13:06:2088 - 14:06:2089

सर्वातोभद्र चक्र

जन्म की ग्रह स्थिति					
ग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र	दिशा	
लग्न	कन्या	028:15:29	14 (2)	–	–
सूर्य	धनु	002:15:49	19 (1)		मित्र राशि
चन्द्रमा	कन्या	016:00:57	13 (2)		स्व नक्षत्र
मंगल	मेष	004:42:18	1 (2)		स्व राशि
बुध	वृश्चिक	019:51:24	18 (1)		स्व नक्षत्र
गुरू	मकर	017:56:39	23 (3)		नीच राशि
शुक्र	मकर	013:00:16	23 (1)		मित्र राशि
शनि	मिथुन	008:12:33	6 (1)	व.	मित्र राशि
राहु	धनु	005:10:35	19 (2)	व.	सम राशि
केतु	मिथुन	005:10:35	5 (4)	व.	सम राशि

गोचर में ग्रह स्थिति					
ग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र	दिशा	
लग्न	मिथुन	007:23:23	6 (1)	–	–
सूर्य	धनु	029:17:50	21 (1)		स्व नक्षत्र
चन्द्रमा	मकर	002:05:06	21 (2)		सम राशि
मंगल	मेष	008:54:33	1 (3)		स्व राशि
बुध	मकर	013:51:40	23 (2)		सम राशि
गुरू	मकर	011:30:55	23 (1)		नीच राशि
शुक्र	धनु	011:50:05	19 (4)		सम राशि
शनि	मकर	008:55:18	22 (4)		स्व राशि
राहु	वृष	024:03:14	5 (1)	व.	उच्च राशि
केतु	वृश्चिक	024:03:14	18 (3)	व.	उच्च राशि

Name: Sample Date : 18 December 1973 (Tuesday) Time : 01:45:00AM Place : Ballia , INDIA
Transit Date : 13 January 2021 (Wednesday) Transit Time : 03:41:37PM Place : Sasaram , INDIA

गोचर के ग्रह   जन्म समय के ग्रह

ऊपर

राशि याँ	मेष	वृष		मिथुन		कर्क	
न व ता रा	अतिमित्र	जन्म	संपत	विपत	क्षेम	प्रत्यरी	साधक
ना ड़ी	प्रचन्ड	पवन	देहन	शोभ्य	नीर	जल	अमृत
न वां श	9 10 11 12	1 2 3 4	5 6 7 8	9 10 11 12	1 2 3 4	5 6 7 8	9 10 11 12
प द	1 2 3 4	1 2 3 4	1 2 3 4	1 2 3 4	1 2 3 4	1 2 3 4	1 2 3 4

चक्र

अ	कृतिका	रोहिणी	रा मृगशिरा	के श अरिद्रा	पुनर्वसु	पुष्य	अश्लेषा	आ
भरणी	00	अ	अ	क	ह	द	00	मघा
मं अश्विनी	ल	लृ	वृष	मिथुन	कर्क	लृ	म	पूर्वाफाल्गुनी
रेवति	च	मेष	ओ	रवि, मंगल 1, 6, 11	औ	सिहं	ट	उत्तराफाल्गुनी
उत्तरभाद्र	ध	मीन	शुक्रवार 4, 9, 14	शनिवार 5, 10, 15	सोम, बुध 2, 7, 12	कन्या	प	हस्ता व
पूर्वाभाद्र	स	कुम्भ	अः	गुरूवार 3, 8, 13	अं	तुला	र	चित्रा
शतभिषा	ग	ऐ	मकर	धनु	वृश्चिक	ऐ	थ	स्वाति
धनिष्ठा	ऋ	ख	ज	भ	य	न	ॠ	विशाखा
इ	श्रवण बु बृ श बृ शु	अभिजीत	उत्तराषाढ च सू	पूर्वाषाढ	मूला शु रा सू	ज्येष्ठा के	अनुराधा बु	ई

बायाँ

राशि याँ	नवतारा	नाड़ी	नवांश	पद
मेष	मित्र	प्रचन्ड	8 7 6 5	4 3 2 1
	निधन	पवन	4 3 2 1	4 3 2 1
मीन	साधक	देहन	12 11 10 9	4 3 2 1
	प्रत्यरी	शोभ्य	8 7 6 5	4 3 2 1
कुम्भ	क्षेम	नीर	4 3 2 1	4 3 2 1
	विपत	जल	12 11 10 9	4 3 2 1
मकर	संपत	अमृत	8 7 6 5	4 3 2 1

दायाँ

राशि याँ	नवतारा	नाड़ी	नवांश	पद
सिंह	निधन	अमृत	1 2 3 4	1 2 3 4
	मित्र	जल	5 6 7 8	1 2 3 4
कन्या	अतिमित्र	नीर	9 10 11 12	1 2 3 4
	जन्म	शोभ्य	1 2 3 4	1 2 3 4
तुला	संपत	देहन	5 6 7 8	1 2 3 4
	विपत	पवन	9 10 11 12	1 2 3 4
वृ	क्षेम	प्रचन्ड	1 2 3 4	1 2 3 4

नीचे

प द	4 3 2 1	4 3 2 1	4 3 2 1	4 3 2 1	4 3 2 1	4 3 2 1	4 3 2 1
न वां श	4 3 2 1	12 12 12 12	12 11 10 9	8 7 6 5	4 3 2 1	12 11 10 9	8 7 6 5
ना ड़ी	अमृत	जल	नीर	शोभ्य	देहन	पवन	प्रचन्ड
न व ता रा	जन्म		अतिमित्र	मित्र	निधन	साधक	प्रत्यरी
राशि याँ	मकर		धनु		वृश्चिक		

For Mindsutra Software Technologies

कोटा चक्र

Name: Sample Date : 18 December 1973 (Tuesday) Time : 01:45:00AM Place : Ballia , INDIA
Transit Date : 13 January 2021 (Wednesday) Transit Time : 03:41:37PM Place : Sasaram , INDIA

गोचर के ग्रह
जन्म समय के ग्रह

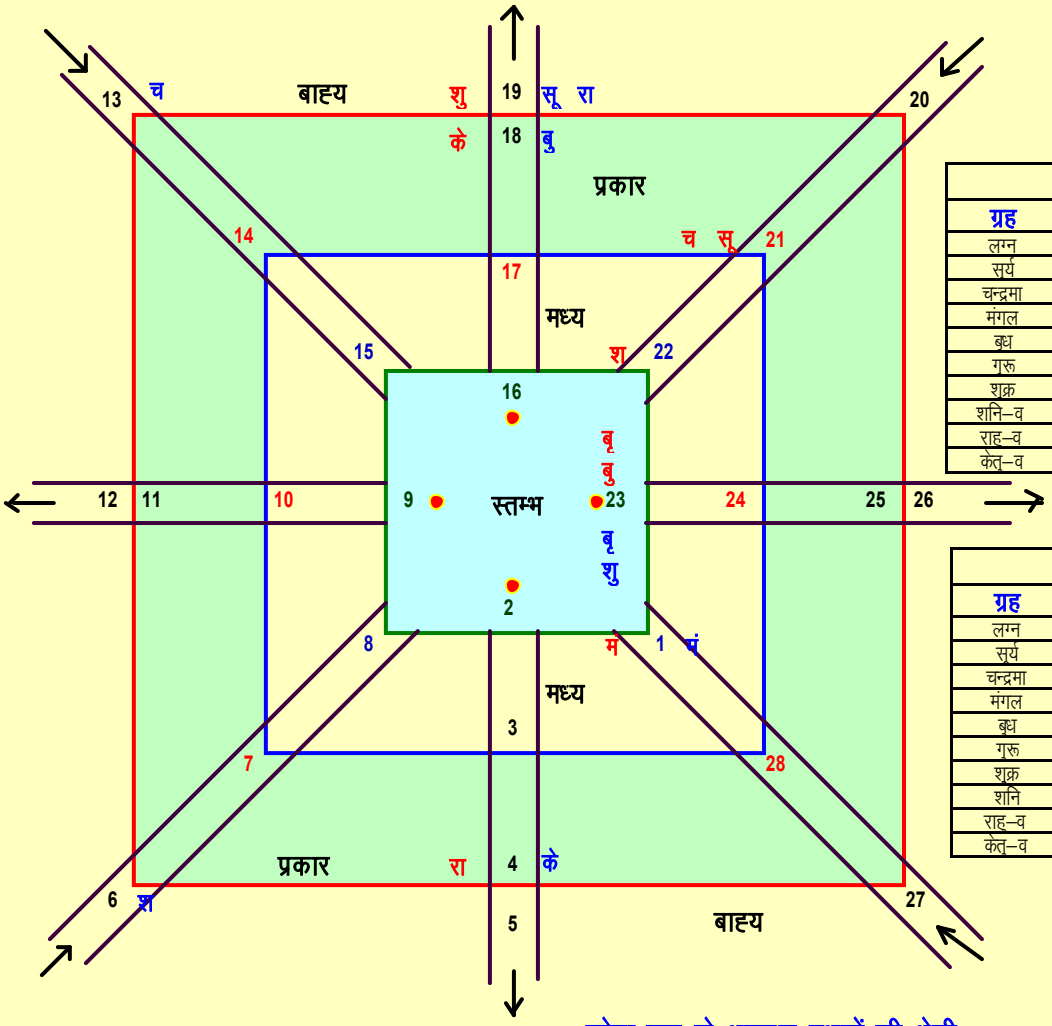

ग्रह स्थिति – जन्म

ग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र	न.पति
लग्न	कन्या	28:15:29	चित्रा (2)	मंगल
सूर्य	धनु	02:15:49	मूला (1)	केतु
चन्द्रमा	कन्या	16:00:57	हस्ता (2)	चन्द्रमा
मंगल	मेष	04:42:18	अश्विनी (2)	केतु
बुध	वृश्चिक	19:51:24	ज्येष्ठा (1)	बुध
गुरू	मकर	17:56:39	श्रवण (3)	चन्द्रमा
शुक्र	मकर	13:00:16	श्रवण (1)	चन्द्रमा
शनि–व	मिथुन	08:12:33	अरिद्रा (1)	राहु
राहु–व	धनु	05:10:35	मूला (2)	केतु
केतु–व	मिथुन	05:10:35	मृगशिरा (4)	मंगल

ग्रह स्थिति – गोचर

ग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र	न.पति
लग्न	मिथुन	07:23:23	अरिद्रा (1)	राहु
सूर्य	धनु	29:17:50	उत्तराषाढ (1)	सूर्य
चन्द्रमा	मकर	02:05:06	उत्तराषाढ (2)	सूर्य
मंगल	मेष	08:54:33	अश्विनी (3)	केतु
बुध	मकर	13:51:40	श्रवण (2)	चन्द्रमा
गुरू	मकर	11:30:55	श्रवण (1)	चन्द्रमा
शुक्र	धनु	11:50:05	मूला (4)	केतु
शनि	मकर	08:55:18	अभिजीत (4)	सूर्य
राहु–व	वृष	24:03:14	मृगशिरा (1)	मंगल
केतु–व	वृश्चिक	24:03:14	ज्येष्ठा (3)	बुध

कोटा चक्र के अनुसार नक्षत्रों की श्रेणी

(28 नक्षत्र के सिद्धान्त पर अभिजित नक्षत्र के साथ)

क्र.स.	श्रेणी	I	II	III	IV
1.	स्तम्भ नक्षत्र –	विशाखा	श्रवण	भरणी	अश्लेषा
2.	मध्य नक्षत्र (सूर्य से शनि आदि ग्रहों का प्रवेश और राहु तथा केतु का निकास)	स्वाति	अभिजीत	अश्विनी	पुष्य
3.	मध्य नक्षत्र (सूर्य से शनि आदि ग्रहों का निकास और राहु तथा केतु का प्रवेश)	अनुराधा	धनिष्ठा	कृतिका	मघा
4.	प्रकार नक्षत्र (सूर्य से शनि आदि ग्रहों का प्रवेश और राहु तथा केतु का निकास)	चित्रा	उत्तराषाढ़	रेवाति	पुनर्वसु
5.	प्रकार नक्षत्र (सूर्य से शनि आदि ग्रहों का निकास और राहु तथा केतु का प्रवेश)	ज्येष्ठा	शतभिषा	रोहिणी	पुर्वफाल्गुनी
6.	बाह्य नक्षत्र (सूर्य से शनि आदि ग्रहों का प्रवेश और राहु तथा केतु का निकास)	हस्ता	पूर्वाषाढ़	उत्तरभाद्र	अरिद्रा
7.	बाह्य नक्षत्र (सूर्य से शनि आदि ग्रहों का निकास और राहु तथा केतु का प्रवेश)	मूला	पूर्वाभाद्र	मृगशिरा	उत्तरफाल्गुनी

कोटा स्वामी – बुध

कोटा पाल – राहु

नैसर्गिक शुभ ग्रह – गुरू, शुक्र, बुध और चन्द्रमा

विवरण	जन्म	गोचर
मारक ग्रह 1	शुक्र	चन्द्रमा
मारक ग्रह 2	गुरू	गुरू
सामान्य बाधक ग्रह	गुरू	गुरू
विशेष बाधक ग्रह	राहु	केतु
त्रिका स्वामी 1	शनि	मंगल
त्रिका स्वामी 2	मंगल	शनि
त्रिका स्वामी 3	सूर्य	शुक्र

नैसर्गिक अशुभ ग्रह – शनि, मंगल, राहु और केतु

विवरण	जन्म	गोचर
क्रियात्मक अशुभ ग्रह 1	चन्द्रमा	मंगल
क्रियात्मक अशुभ ग्रह 2	मंगल	सूर्य
कोटा पाल और कोटा स्वामी के बाधक ग्रह	...	...
मुख्य कोटा स्वामी और गौन कोटा स्वामी के लिए बाधक ग्रह	...	...

For Mindsutra Software Technologies

जन्म समय के ग्रह
गोचर के ग्रह

संघट्ट राशि चक्र

Name: Sample DOB : 18 December 1973 (Tuesday)

TOB : 01:45:00AM POB : Ballia , INDIA

Transit DOB : 13 January 2021 (Wednesday)Transit TOB : 03:41:37PM

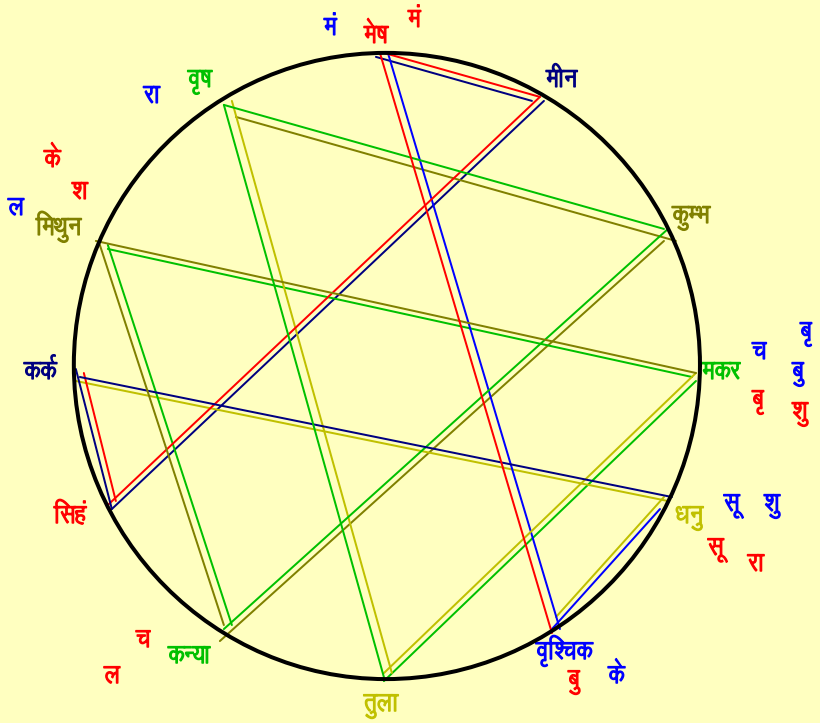

चन्द्र राशि (जन्म समय)	गोचर के ग्रह के वेध राशि 1	गोचर के ग्रह के वेध राशि 2
कन्या	कुम्भ	मिथुन

लग्न राशि (जन्म समय)	गोचर के ग्रह के वेध राशि 1	गोचर के ग्रह के वेध राशि 2
कन्या	कुम्भ	मिथुन

संघट्ट राशि चक्र – राशि वेध

राशि	से वेध	से वेध	राशि	से वेध	से वेध
मेष (1)	वृश्चिक (8)	मीन (12)	तुला (7)	मकर (10)	वृष (2)
वृष (2)	तुला (7)	कुम्भ (11)	वृश्चिक (8)	धनु (9)	मेष (1)
मिथुन (3)	कन्या (6)	मकर (10)	धनु (9)	कर्क (4)	वृश्चिक (8)
कर्क (4)	सिहं (5)	धनु (9)	मकर (10)	मिथुन (3)	तुला (7)
सिहं (5)	मीन (12)	कर्क (4)	कुम्भ (11)	वृष (2)	कन्या (6)
कन्या (6)	कुम्भ (11)	मिथुन (3)	मीन (12)	मेष (1)	सिहं (5)

ग्रह स्थिति जन्म

ग्रह	राशि	अंश	न.च.	न.प.	सप्त नाड़ी	न.ना.प.	नक्षत्रांश	नवतारा	श.	गति	...
लग्न	कन्या	028:15:29	चित्रा (2)	मं	देहन	मं	नपुंशकांश	सम्पत	Po	--	...
सूर्य	धनु	002:15:49	मूला (1)	के	देहन	मं	तस्करांश	निधन	Ye	001:01:05	...
चन्द्रमा	कन्या	016:00:57	हस्ता (2)	च	शोभ्य	बृ	भोग्यांश	जन्म	Sh,	013:01:34	...
मंगल	मेष	004:42:18	अश्विनी (2)	के	पवन	सु	भोग्यांश	निधन	Che	000:14:54	मन्द
बुध	वृश्चिक	019:51:24	ज्येष्ठा (1)	बृ	पवन	सु	उत्पन्नांश	साधक	No	001:31:15	अतिचार
गुरू	मकर	017:56:39	श्रवण (3)	च	अमृत	च	वित्तछिन्नांश	जन्म	Khe	000:12:02	चर
शुक्र	मकर	013:00:16	श्रवण (1)	च	अमृत	च	मंगलांश	जन्म	Khi	000:32:45	मन्द
शनि–व	मिथुन	008:12:33	अरिद्रा (1)	रा	शोभ्य	बृ	कृपांश	विपत	Ku	- 000:04:56	चर
राहु–व	धनु	005:10:35	मूला (2)	के	देहन	मं	भोग्यांश	निधन	Yo	- 000:03:11	...
केतु–व	मिथुन	005:10:35	मृगशिरा (4)	मं	देहन	मं	नीचांश	सम्पत	Ki	- 000:03:11	...

ग्रह स्थिति गोचर

लग्न	मिथुन	007:23:23	अरिद्रा (1)	रा	शोभ्य	बृ	तस्करांश	खेष्म	Ku	--	...
सूर्य	धनु	029:17:50	उत्तराषाढ (1)	सु	नीर	शु	उत्पन्नांश	जन्म	Bhe	001:01:09	...
चन्द्रमा	मकर	002:05:06	उत्तराषाढ (2)	सु	नीर	शु	पापांश	जन्म	Bho	013:52:30	...
मंगल	मेष	008:54:33	अश्विनी (3)	के	पवन	सु	पंडितांश		Cho	000:28:59	सम
बुध	मकर	013:51:40	श्रवण (2)	च	अमृत	च	भोग्यांश	सम्पत	Khu	001:36:00	अतिचार
गुरू	मकर	011:30:55	श्रवण (1)	च	अमृत	च	मंगलांश	सम्पत	Khi	000:14:05	अतिचार
शुक्र	धनु	011:50:05	मूला (4)	के	देहन	मं	धनांश	मित्र	Bhi	001:15:13	अतिचार
शनि	मकर	008:55:18	अभिजीत (4)	सु	जल	बृ	मंगलांश	...	Kh	000:07:05	अतिचार
राहु–व	वृष	024:03:14	मृगशिरा (1)	मं	देहन	मं	राज्यांश	विपत	Ve, Be	- 000:03:11	...
केतु–व	वृश्चिक	024:03:14	ज्येष्ठा (3)	बृ	पवन	सु	पापांश	निधन	Yi	- 000:03:11	...

Printed by - MindSutra Software Technologies, New Delhi , www.mindsutra.com

संघट्ट नक्षत्र चक्र

जन्म समय के ग्रह
गोचर के ग्रह

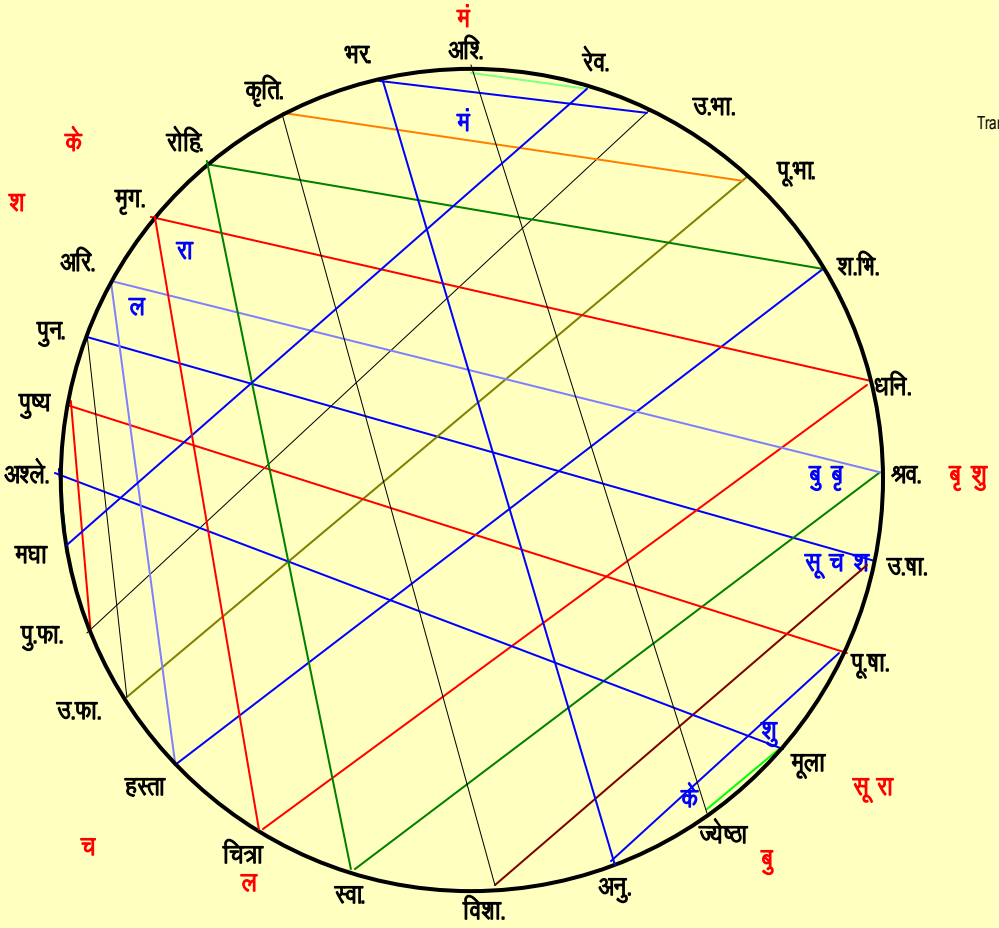

Name: Sample DOB : 18 December 1973 (Tuesday)

TOB : 01:45:00AM POB : Ballia , INDIA

Transit DOB : 13 January 2021 (Wednesday)Transit TOB : 03:41:37PM

चन्द्र राशि (जन्म समय)	गोचर के ग्रह के वेध नक्षत्र 1	गोचर के ग्रह के वेध नक्षत्र 2
हस्ता	शतभिषा	अरिद्रा
लग्न राशि (जन्म समय)	गोचर के ग्रह के वेध नक्षत्र 1	गोचर के ग्रह के वेध नक्षत्र 2
चित्रा	धनिष्ठा	मृगशिरा
		राहु

संघट्ट नक्षत्र चक्र – नक्षत्र वेध

नक्षत्र	नक्षत्र वेध	नक्षत्र वेध	नक्षत्र	नक्षत्र वेध	नक्षत्र वेध	नक्षत्र	नक्षत्र वेध	नक्षत्र वेध
अश्विनी	ज्येष्ठा	रेवति	मघा	रेवति	अश्लेषा	मूला	अश्लेषा	ज्येष्ठा
भरणी	अनुराधा	उत्तरभाद्र	पूर्वफाल्गुनी	उत्तरभाद्र	पुष्य	पूर्वाषाढ़	पुष्य	अनुराधा
कृतिका	विशाखा	पूर्वाभाद्र	उत्तरफाल्गुनी	पूर्वाभाद्र	पुनर्वसु	उत्तराषाढ़	पुनर्वसु	विशाखा
रोहिणी	स्वाति	शतभिषा	हस्ता	शतभिषा	अरिद्रा	श्रवण	अरिद्रा	स्वाति
मृगशिरा	चित्रा	धनिष्ठा	चित्रा	धनिष्ठा	मृगशिरा	धनिष्ठा	मृगशिरा	चित्रा
अरिद्रा	हस्ता	श्रवण	स्वाति	श्रवण	रोहिणी	शतभिषा	रोहिणी	हस्ता
पुनर्वसु	उत्तरफाल्गुनी	उत्तराषाढ़	विशाखा	उत्तराषाढ़	कृतिका	पूर्वाभाद्र	कृतिका	उत्तरफाल्गुनी
पुष्य	पूर्वफाल्गुनी	पूर्वाषाढ़	अनुराधा	पूर्वाषाढ़	भरणी	उत्तरभाद्र	भरणी	पूर्वफाल्गुनी
अश्लेषा	मघा	मूला	ज्येष्ठा	मूला	अश्विनी	रेवति	अश्विनी	मघा

ग्रह स्थिति जन्म

ग्रह	राशि	अंश	न.च.	न.प.	सप्त नाड़ी	ह.ना.प.	नक्षत्रांश	नवतारा	श.	गति	...
लग्न	कन्या	028:15:29	चित्रा (2)	मं	देहन	मं	नपुंशकांश	सम्पत	Po	--	...
सूर्य	धनु	002:15:49	मूला (1)	के	देहन	मं	तस्करांश	निधन	Ye	001:01:05	...
चन्द्रमा	कन्या	016:00:57	हस्ता (2)	च	शोभ्य	बु	भोग्यांश	जन्म	Sh,	013:01:34	...
मंगल	मेष	004:42:18	अश्विनी (2)	के	पवन	सु	भोग्यांश	निधन	Che	000:14:54	मन्द
बुध	वृश्चिक	019:51:24	ज्येष्ठा (1)	बु	पवन	सु	उत्पन्नांश	साधक	No	001:31:15	अतिचार
गुरू	मकर	017:56:39	श्रवण (3)	च	अमृत	च	वित्तछिन्नांश	जन्म	Khe	000:12:02	चर
शुक्र	मकर	013:00:16	श्रवण (1)	च	अमृत	च	मंगलांश	जन्म	Khi	000:32:45	मन्द
शनि–व	मिथुन	008:12:33	अरिद्रा (1)	रा	शोभ्य	बु	कृपांश	विपत	Ku	- 000:04:56	चर
राहु–व	धनु	005:10:35	मूला (2)	के	देहन	मं	भोग्यांश	निधन	Yo	- 000:03:11	...
केतु–व	मिथुन	005:10:35	मृगशिरा (4)	मं	देहन	मं	नीचांश	सम्पत	Ki	- 000:03:11	...

ग्रह स्थिति गोचर

लग्न	मिथुन	007:23:23	अरिद्रा (1)	रा	शोभ्य	बु	तस्करांश	खेष्म	Ku	--	...
सूर्य	धनु	029:17:50	उत्तराषाढ (1)	सु	नीर	शु	उत्पन्नांश	जन्म	Bhe	001:01:09	...
चन्द्रमा	मकर	002:05:06	उत्तराषाढ (2)	सु	नीर	शु	पापांश	जन्म	Bho	013:52:30	...
मंगल	मेष	008:54:33	अश्विनी (3)	के	पवन	सु	पंडितांश		Cho	000:28:59	सम
बुध	मकर	013:51:40	श्रवण (2)	च	अमृत	च	भोग्यांश	सम्पत	Khu	001:36:00	अतिचार
गुरू	मकर	011:30:55	श्रवण (1)	च	अमृत	च	मंगलांश	सम्पत	Khi	000:14:05	अतिचार
शुक्र	धनु	011:50:05	मूला (4)	के	देहन	मं	धनांश	मित्र	Bhi	001:15:13	अतिचार
शनि	मकर	008:55:18	अभिजीत (4)	सु	जल	बु	मंगलांश	...	Kh	000:07:05	अतिचार
राहु–व	वृष	024:03:14	मृगशिरा (1)	मं	देहन	मं	राज्यांश	विपत	Ve, Be	- 000:03:11	...
केतु–व	वृश्चिक	024:03:14	ज्येष्ठा (3)	बु	पवन	सु	पापांश	निधन	Yi	- 000:03:11	...

सूर्य कलानल चक्र

जन्म समय के ग्रह
गोचर के ग्रह

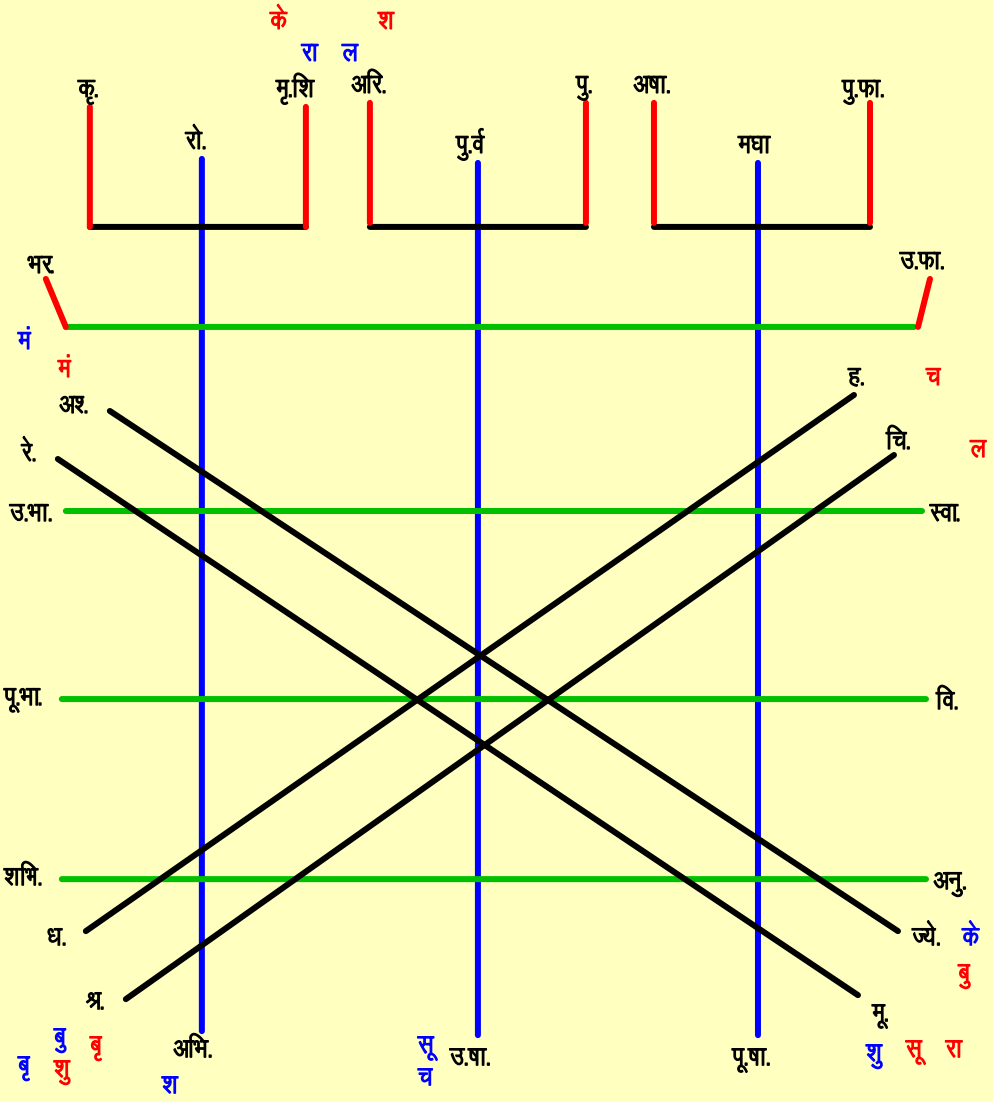

Name: Sample DOB : 18 December 1973 (Tuesday)

TOB : 01:45:00AM POB : Ballia , INDIA

Transit DOB : 13 January 2021 (Wednesday)Transit TOB : 03:41:37PM

महत्वपूर्ण नक्षत्र

बांया शृंग नक्षत्र	दाहिना शृंग नक्षत्र
भरणी	उत्तरफाल्गुनी

त्रिशूल नक्षत्र

कृतिका	रोहिणी	मृगशिरा
पुनर्वसु	अरिद्रा	पुष्य
मघा	अश्लेषा	पूर्वफाल्गुनी

ग्रह स्थिति जन्म

ग्रह	राशि	अंश	न.च.	न.प.	सप्त नाड़ी	ह.ना.प.	नक्षत्रांश	नवतारा	श.	गति	...
लग्न	कन्या	028:15:29	चित्रा (2)	मं	देहन	मं	नपुंशकांश	सम्पत	Po	--	...
सूर्य	धन्	002:15:49	मूला (1)	के	देहन	मं	तस्करांश	निधन	Ye	001:01:05	...
चन्द्रमा	कन्या	016:00:57	हस्ता (2)	च	शोभ्य	बु	भोग्यांश	जन्म	Sh,	013:01:34	...
मंगल	मेष	004:42:18	अश्विनी (2)	के	पवन	सु	भोग्यांश	निधन	Che	000:14:54	मन्द
बुध	वृश्चिक	019:51:24	ज्येष्ठा (1)	बु	पवन	सु	उत्पन्नांश	साधक	No	001:31:15	अतिचार
गुरू	मकर	017:56:39	श्रवण (3)	च	अमृत	च	वित्तछिन्नांश	जन्म	Khe	000:12:02	चर
शुक्र	मकर	013:00:16	श्रवण (1)	च	अमृत	च	मंगलांश	जन्म	Khi	000:32:45	मन्द
शनि–व	मिथुन	008:12:33	अरिद्रा (1)	रा	शोभ्य	बु	कृपांश	विपत	Ku	- 000:04:56	चर
राहु–व	धन्	005:10:35	मूला (2)	के	देहन	मं	भोग्यांश	निधन	Yo	- 000:03:11	...
केतु–व	मिथुन	005:10:35	मृगशिरा (4)	मं	देहन	मं	नीचांश	सम्पत	Ki	- 000:03:11	...

ग्रह स्थिति गोचर

लग्न	मिथुन	007:23:23	अरिद्रा (1)	रा	शोभ्य	बु	तस्करांश	खेष्म	Ku	--	...
सूर्य	धन्	029:17:50	उत्तराषाढ (1)	सु	नीर	शु	उत्पन्नांश	जन्म	Bhe	001:01:09	...
चन्द्रमा	मकर	002:05:06	उत्तराषाढ (2)	सु	नीर	शु	पापांश	जन्म	Bho	013:52:30	...
मंगल	मेष	008:54:33	अश्विनी (3)	के	पवन	सु	पंडितांश		Cho	000:28:59	सम
बुध	मकर	013:51:40	श्रवण (2)	च	अमृत	च	भोग्यांश	सम्पत	Khu	001:36:00	अतिचार
गुरू	मकर	011:30:55	श्रवण (1)	च	अमृत	च	मंगलांश	सम्पत	Khi	000:14:05	अतिचार
शुक्र	धन्	011:50:05	मूला (4)	के	देहन	मं	धनांश	मित्र	Bhi	001:15:13	अतिचार
शनि	मकर	008:55:18	अभिजीत (4)	सु	जल	बु	मंगलांश	...	Kh	000:07:05	अतिचार
राहु–व	वृष	024:03:14	मृगशिरा (1)	मं	देहन	मं	राज्यांश	विपत	Ve, Be	- 000:03:11	...
केतु–व	वृश्चिक	024:03:14	ज्येष्ठा (3)	बु	पवन	सु	पापांश	निधन	Yi	- 000:03:11	...

जन्म समय के ग्रह
गोचर के ग्रह

चन्द्र कलानल चक्र

Name: Sample DOB : 18 December 1973 (Tuesday)

TOB : 01:45:00AM POB : Ballia , INDIA

Transit DOB : 13 January 2021 (Wednesday)Transit TOB : 03:41:37PM

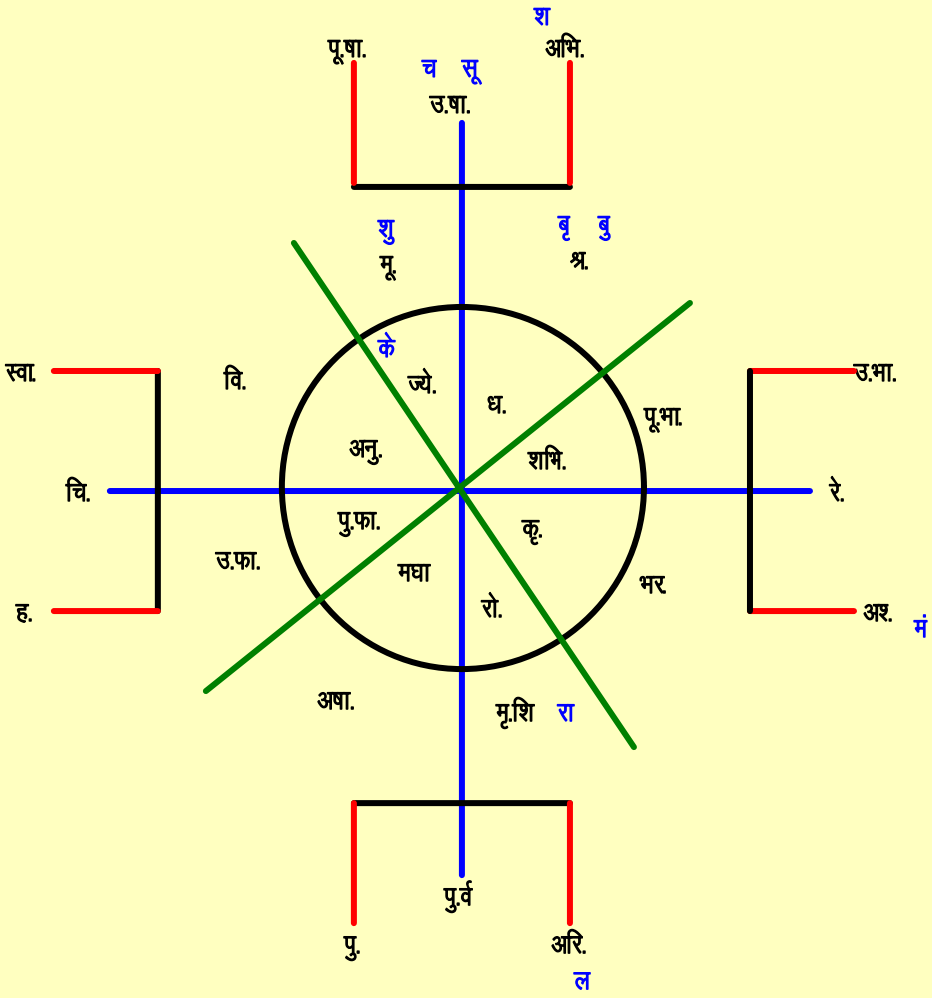

महत्वपूर्ण नक्षत्र

त्रिशूल नक्षत्र		
पूर्वाषाढ़	उत्तराषाढ़	अभिजीत
रेवाति	उत्तरभाद्र	अश्विनी
पुनर्वसु	अरिद्रा	पुष्य
चित्रा	स्वाति	हस्ता
महत्वपूर्ण नक्षत्र		
अनुराधा	ज्येष्ठा	पुर्वफाल्गुनी
रोहिणी	मघा	कृतिका
धनिष्ठा	शतभिषा	

ग्रह स्थिति जन्म

ग्रह	राशि	अंश	न.च.	न.प.	सप्त नाड़ी	न.ना.प.	नक्षत्रांश	नवतारा	श.	गति	...
लग्न	कन्या	028:15:29	चित्रा (2)	मं	देहन	मं	नपुंशकांश	सम्पत	Po	--	...
सूर्य	धन्	002:15:49	मूला (1)	के	देहन	मं	तस्करांश	निधन	Ye	001:01:05	...
चन्द्रमा	कन्या	016:00:57	हस्ता (2)	च	शोभ्य	बृ	भोग्यांश	जन्म	Sh,	013:01:34	...
मंगल	मेष	004:42:18	अश्विनी (2)	के	पवन	सु	भोग्यांश	निधन	Che	000:14:54	मन्द
बुध	वृश्चिक	019:51:24	ज्येष्ठा (1)	बृ	पवन	सु	उत्पन्नांश	साधक	No	001:31:15	अतिचार
गुरू	मकर	017:56:39	श्रवण (3)	च	अमृत	च	वित्तछिन्नांश	जन्म	Khe	000:12:02	चर
शुक्र	मकर	013:00:16	श्रवण (1)	च	अमृत	च	मंगलांश	जन्म	Khi	000:32:45	मन्द
शनि–व	मिथुन	008:12:33	अरिद्रा (1)	रा	शोभ्य	बृ	कृपांश	विपत	Ku	- 000:04:56	चर
राहु–व	धन्	005:10:35	मूला (2)	के	देहन	मं	भोग्यांश	निधन	Yo	- 000:03:11	...
केतु–व	मिथुन	005:10:35	मृगशिरा (4)	मं	देहन	मं	नीचांश	सम्पत	Ki	- 000:03:11	...

ग्रह स्थिति गोचर

लग्न	मिथुन	007:23:23	अरिद्रा (1)	रा	शोभ्य	बृ	तस्करांश	खेष्म	Ku	--	...
सूर्य	धन्	029:17:50	उत्तराषाढ (1)	सु	नीर	शु	उत्पन्नांश	जन्म	Bhe	001:01:09	...
चन्द्रमा	मकर	002:05:06	उत्तराषाढ (2)	सु	नीर	शु	पापांश	जन्म	Bho	013:52:30	...
मंगल	मेष	008:54:33	अश्विनी (3)	के	पवन	सु	पंडितांश		Cho	000:28:59	सम
बुध	मकर	013:51:40	श्रवण (2)	च	अमृत	च	भोग्यांश	सम्पत	Khu	001:36:00	अतिचार
गुरू	मकर	011:30:55	श्रवण (1)	च	अमृत	च	मंगलांश	सम्पत	Khi	000:14:05	अतिचार
शुक्र	धन्	011:50:05	मूला (4)	के	देहन	मं	धनांश	मित्र	Bhi	001:15:13	अतिचार
शनि	मकर	008:55:18	अभिजीत (4)	सु	जल	बृ	मंगलांश	...	Kh	000:07:05	अतिचार
राहु–व	वृष	024:03:14	मृगशिरा (1)	मं	देहन	मं	राज्यांश	विपत	Ve, Be	- 000:03:11	...
केतु–व	वृश्चिक	024:03:14	ज्येष्ठा (3)	बृ	पवन	सु	पापांश	निधन	Yi	- 000:03:11	...

ग्रहों के गोचर से भविष्यफल

गोचर कुण्डली में सूर्य आपकी जन्मकुण्डली के चन्द्र राशि से चौथे भाव में भ्रमण कर रहा है। यह एक शुभगोचर नहीं है और आपको अपने कार्यस्थल और घर पर समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। अगर गोचर कुण्डली में दूसरे अन्य ग्रह भी शुभ स्थिति में नहीं हैं, तो आप अस्वस्थ हो सकते हैं और आपकी ताकत कम हो सकती है। यह गोचर आपके माता–पिता के लिए शुभ नहीं है और उनमें से किसी एक का स्वास्थ्य आपके लिए चिन्ता का कारण बन सकता है।

पौष महीने के दौरान सूर्य इस गोचर कुण्डली में होगा (15–16 दिसम्बर से 14–15 जनवरी तक)।

चन्द्रमा गोचर कुण्डली में अपनी राशि से पांचवें भाव में भ्रमण कर रहा है। यह गोचर अधिक लाभदायक नहीं है और एक–दो दिन के लिए समय आपके लिए प्रतिकूल हो सकता है। आपको पूंजी निवेश में घाटा हो सकता है या अपनी संतानों के व्यवहार या किया–कलापों से परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। अगर आप किसी प्रेम–प्रसंग में पड़े हैं तो आपकी प्रेमिका मनमौजी हो सकती हैं और आपके भावनाओं को चोट पहुँचा सकती हैं। अगर आप किसी पिकनिक या कम दूरी की यात्रा पर जा रहे हैं, तो यह आपकेलिए सुखद अनुभव नहीं हो सकता है।

मंगल गोचर कुण्डली में आपकी जन्मकुण्डली के चन्द्र राशि से आठवें भाव में भ्रमण कर रहा है। यह गोचरबहुत शुभ नहीं है। आपको व्यस्त मार्गों से गुजरते समय अथवा आग या किसी चलते हुए मशीन के पास काम करते समय सचेत और सावधान रहने की जरूरत है। आपकी शारीरिक स्थिति भी ठीक नहीं होसकती है और आप बुखार अथवा खून से होने वाली बीमारियों से परेशान हो सकते हैं। आपको अपनी आर्थिक स्थिति में भी भारी उतार–चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है। अगर आपकी कुण्डली में कोई अशुभ ग्रह इसी गोचर से भ्रमण कर रहा है, तो आपकी विश्वसनीयता और मान–सम्मान को ठेस पहुँच सकती है।

गोचर कुण्डली में बुध आपकी जन्मकुण्डली के चन्द्र राशि से पांचवें भाव में भ्रमण कर रहा है। यह एक शुभगोचर नहीं है। आपको अति उत्साह से कार्य नहीं करना चाहिए। कहीं निवेश करते समय या उधार देते समय आपको कई बार सोच–विचार करना चाहिए, अन्यथा हानि सुनिश्चित है। आपकी संतान आपके लिए चिन्ता के कारण होंगे और जीवनसाथी के व्यवहार से आप नाखुश हो सकते हैं। आप अपने–आप कोकाफी परेशान महसूस कर सकते हैं, जिससे मनोरंजन के लिए कहीं बाहर जाने पर भी आप आनन्द से परे रह सकते हैं।

गोचर कुण्डली में बृहस्पति आपकी जन्मकुण्डली के चन्द्र राशि से पांचवें भाव में भ्रमण कर रहा है। यह बहुत ही शुभ गोचर है। बृहस्पति का गोचर आपको कई तरह से फायदा पहुँचायेगा। आप कई मामलों में भाग्यशाली साबित होंगे। आपकी कुछ हार्दिक अभिलाषायें पूरी होंगी। आप प्रभावशाली व्यक्तियों का सहयोग पायेंगे। आपको नई नौकरी प्राप्त हो सकती है अथवा आपकी पदोन्नति हो सकती है। अगर आपका कोई प्रेम–प्रसंग है तो आप दोनों एक दूसरे के करीब आयेंगे। अगर आप विवाहित हैं तो आपको संतान की प्राप्ति हो सकती है। यदि आपकी कोई औलाद है तो वो अपने कार्यों से आपको खुशियां प्रदान करेगी।

गोचर कुण्डली में शुक्र आपकी जन्मकुण्डली के चन्द्र राशि से चौथे भाव में भ्रमण कर रहा है। यह गोचर अत्यन्त शुभ है और आप कई मामलों में भाग्यशाली होंगे। आपको एक से अधिक स्रोतों से धन की प्राप्ति होगी और आपका घरेलू जीवन सुखमय और शांतिमय होगा। आपके परिवार में कोई शुभ आयोजन या मिलन हो सकता है, जिसकी वजह से आपका घर खुशियों से भरा होगा। आपका दिमाग, यादाश्त, सोच,

बौद्धिक क्षमता तथा निर्णय क्षमता काबिले तारीफ होगी।

गोचर कुण्डली में शनि आपकी जन्मकुण्डली के चन्द्र राशि से पांचवें भाव में भ्रमण कर रहा है। यह एक अशुभ गोचर है। आपको जीवन के कई क्षेत्रों को प्रभावित करने वाली कुछ समस्याओं और असुविधाओं से सामना करना पड़ सकता है। आपके जीवनसाथी मिजाजी और प्रत्याशित व्यवहार करने वाली हो सकती हैं,जबकि आपकी संतानों का स्वास्थ्य आपके लिए चिन्ता का कारण हो सकता है। अगर आप किसी शैक्षणिक या बौद्धिक कार्य में लगे हैं तो आपकी उन्नति बाधित हो सकती है या तात्कालिक विराम भी लगसकता है। पेशे से आपकी आय तथा अन्य स्रोतों से लाभ कम हो सकता है। संभावित हानि से बचने के लिए आपको यह सलाह दी जाती है कि निवेश से दूर रहें।

गोचर कुण्डली में राहु आपकी जन्मकुण्डली के चन्द्र राशि से नौवें भाव में भ्रमण कर रहा है। यह राहु का सबसे अशुभ गोचर है और आपको बहुत ही सावधान और सचेत रहना चाहिए। किसी अप्रत्याशित परिस्थितिवश, दूरस्थ बैठे किसी व्यक्ति से आपकी अपेक्षायें खत्म हो सकती हैं। इसके अलावा, आपको कुछनिराशा हो सकती है और अनिश्चिततायें आपकी संभावनाओं को धुंधली कर सकती है। यदि अन्य ग्रह भी शुभ गोचर कुण्डली में नहीं हैं, तो आपको हानि उठानी पड़ सकती है और सबसे बुरी संभावना है कि आप अनर्थ घटना, राजनैतिक या सामाजिक अशांति या सरकारी नीतियों में अचानक बदलाव के शिकार होसकते हैं।

गोचर कुण्डली में केतु आपकी जन्मकुण्डली के चन्द्र राशि से तीसरे भाव में भ्रमण कर रहा है। यह एक शुभ गोचर है। आपका जीवन सुखमय और खुशियों से परिपूर्ण होगा। आप काफी साहसी, सक्रिय और उत्साही होंगे। आप कोई नया कार्य शुरू करेंगे और उसे समय पर सफलतापूर्वक समाप्त भी करेंगे। अपने पेशे से संबंधित आपको निकट स्थानों की छोटी–छोटी यात्रायें करनी पड़ सकती हैं और आप बहुत सारे नये लोगों से मिलेंगे, जिनसे भविष्य में आपको लाभ प्राप्त होगा। अगर आप ठेकेदार या कोई ऐजेन्ट या आपूर्तिकर्ता हैं तो आपको बहुत सारे नये मौके प्राप्त होंगे।

लाल किताब में गोचर शनि (शनि साढेसाती) का फल और उपाय

द्वादशे जन्मगै राशौ द्वितीये च शनैश्चर।
सर्धानि सप्त वर्षाणि तथा दुखैर्युतो भवेत।।

(गोचर में जब शनि ग्रह, जन्म चंद्र से बारहवें, पहले और दूसरे भाव में भ्रमण करता है, उस समय (लगभग साढ़े सात वर्ष तक) को शनि साढ़ेसाती के नाम से जाना जाता है।)

(सामान्यतः यह माना जाता है, कि शनि की साढ़ेसाती के दौरान जातक मानसिक कष्ट, शारीरिक कष्ट एवंआर्थिक संकट से गुजरता है। साढ़ेसाती से लोग चिन्तित हो जाते हैं एवं उनके मन में एक अनजाना साडर बना रहता है। जातक में असंतोष, निराशा, आलस्य, तनाव, रोगों से हानि, चोरी या आगजनी से हानि, घर में विवाद या किसी पारिवारिक सदस्य की मृत्यु आदि जैसे फल प्राप्त होने का डर बना रहता है। लेकिन हकीकत में साढ़ेसाती के किसी चरण का पूरा समय– साढ़े सात साल– ऐसा नहीं होता है। काफी शुभ फल जैसे विवाह, संतानोत्पत्ति, नौकरी या व्यवसाय में उन्नति, विदेश यात्रा, भूमि, भवन या वाहनका क्रय, कर्ज से मुक्ति, उंचे तबके के लोगों से संपर्क और उनसे लाभ, धार्मिक स्थलों की यात्रा या धार्मिक कार्यों का आयोजन, संतानों से सुख एवं खुशी आदि भी प्राप्त होते हैं।)

शनि साढेसाती के प्रथम चक्र का विवरण

प्रथम ढ़ैय्या (जन्म चन्द्र से बारहवें) का फल

गोचर राशि –सिहं

Start -07:09:1977

End -04:11:1979

Duration -2 y.1 m.27 d.

शनि के वक्री होने के कारण आगे दिए हुए समय में भी शनि साढेसाती का प्रभाव रहेगा।

Start -15:03:1980

End -27:07:1980

Duration -0 y.4 m.12 d.

आपके लिए यह चरण घातक हो सकता है। इस चरण के आरम्भ से ही आपको मानसिक तनाव रह सकता है। तनाव का कारण आपका संतान पक्ष हो सकता है। आपकी संतान आपके हर काम का विरोध करेगी। आपके लिए नित्य नई समस्यायें पैदा करेंगी। आप अपनी संतान की बीमारी पर भी काफी पैसा खर्च कर सकते हैं। आप अपने कार्यों से अपनी संतान के कार्यों में बाधायें उत्पन्न कर सकते हैं। आपकी संतान आपके विचारों से सहमत नहीं हो सकती है। अपनी संतान के कारण आपको कष्ट हो सकता है। आपको अपनी संतान पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

इस समय आपके शत्रु काफी सक्रिय होंगे एवं आपको हानि पहुंचाने की प्रयास करेंगे एवं अपने प्रयासों में वेसफल भी होंगे। आप कई अप्रत्याशित खर्चे कर सकते हैं, जिसकी आपको उम्मीद भी नहीं होगी। आप कई लम्बी यात्राएं कर सकते हैं, जिनसे कोई लाभ होने की संभावना नहीं है। नित्य नई आने वाली परेशानियों के कारण धर्म एवं ईश्वर पर से आपका विश्वास उठ सकता है। इस समय आप ना किसी को उधार दें और ना उधार लें, इससे कई समस्याओं से बच सकते हैं। आप उदर कष्ट एवं त्वचा संबंधित ऐसे

रोगों से पीड़ित हो सकते हैं, जो लम्बे समय तक चल सकते हैं। भाग्य आपका साथ नहीं दे सकता है।

आपको मानसिक रूप से मजबूत बनना चाहिए। भावना में बहकर कोई ऐसा काम ना करें, जिससे आपको अपमानित होना पड़े। आपके मामा–मौसी को भी कई समस्यओं का सामना करना पड़ सकता है। आपके कार्यों में काफी बाधायें आ सकती हैं। आप आर्थिक रूप से इतने परेशान हो सकते हैं, कि धनोपार्जन के लिए किसी दूसरे शहर में जा सकते हैं, लेकिन वहां भी आपको सफलता प्राप्त नहीं हो सकती है। आप भोग–विलास एवं परिधान पर काफी खर्च कर सकते हैं। यदि आपकी आयु 30 से 46 के मध्य है, तो आपको पुत्र की प्राप्ति हो सकती है। मानसिक रूप से परेशान रहने के कारण आपका मस्तिष्क सही दिशा में कार्य नहीं कर सकता है। खुद को सफल करने के लिए आप फालतू के कार्यों पर अत्यधिक खर्चे कर सकते हैं, जिसका आपको बाद में पछतावा हो सकता है।

इस चरण के मध्य में आपको कुछ आराम मिल सकता है। आप अपनी मनोशक्ति के बल पर कुछ सफलताएं प्राप्त कर सकते हैं। कुछ समय के लिए आपकी आर्थिक स्थिति भी सुधर सकती है और आपके कुछ बिगड़े काम बन सकते हैं। लेकिन यह समय थोड़ी देर के लिए ही आएगा। इसके बाद आपके शत्रु पहले की तुलना में अधिक सक्रिय होंगे और आपको हानि पहुंचाने का प्रयास करेंगे, लेकिन वे सफल नहीं हो सकते हैं। यदि आप नौकरी करते हैं, तो आपके अधिकारी आपसे नाराज रह सकते हैं और आपको कष्ट पहुंचने का प्रयास कर सकते हैं। अपको सतर्क रहना चाहिए और अतिविश्वास में नहीं आना चाहिए। अतिविश्वास के कारण आप चोरी के शिकार हो सकते हैं, विशेषकर यात्रा के दौरान। इस समय आपको अपने ही कामों से अधिक हानि हो सकती है। अपने भाइयों से बंटवारा भी हो सकता है। यदि आपकी कुण्डली में किसी शुभ ग्रह की दशा चल रही है, तो अशुभ फलों में कुछ कमी हो सकती है। चरण के अन्त समय में लाभ के मौके प्राप्त होंगे, उनका पूरा फायदा उठायें।

द्वितिय ढ़ैय्या (जन्म चन्द्र से पहले) का फल

गोचर राशि –कन्या

Start -04:11:1979

End -15:03:1980

Duration -0 y.4 m.10 d.

शनि के वक्री होने के कारण आगे दिए हुए समय में भी शनि साढेसाती का प्रभाव रहेगा।

Start -27:07:1980

End -06:10:1982

Duration -2 y.2 m.10 d.

यह चरण आपके लिए घातक हो सकता है। यदि आपकी कुण्डली में किसी शुभ ग्रह की दशा चल रही है,तभी आपको कुछ शुभ फल प्राप्त हो सकता है। इस चरण की शुरूआत से ही आपको अशुभ संकेत मिलने लगेंगे। आप मानसिक रोग, उन्माद, चर्मरोग, वात आदि से पीड़ित रह सकते हैं। यदि बचपन में ही यह चरण आता है, तो आपको बालारिष्ठ हो सकता है। आपकी चिन्ता खत्म भी नहीं होगी, कि दूसरी नई चिन्ता आपके सामने होगी। आप मानसिक रूप से व्यथित हो सकते हैं एवं भले–बूरे की पहचान खो सकतेहैं। काम–वासना आप पर हावी रहेगा। इसके लिए आप किसी भी हद तक जा सकते हैं और समाजमें अपमानित हो सकते हैं। आप काफी स्वार्थी हो सकते हैं और हर काम में पहले अपना स्वार्थ देखेंगे।

यदि इस समय आपकी आयु 34 से 47 वर्ष के मध्य है, तो आपको अधिक कष्ट प्राप्त हो सकते हैं। यदि आप नौकरी करते हैं, तो आप नित्य नई समस्याओं का सामना कर सकते हैं। आपके सहयोगी आपके

खिलाफ हो सकते हैं और आपकी शिकायत वरिष्ठ अधिकारियों से कर सकते हैं। इससे आपके वरिष्ठ अधिकारी भी आपसे नाराज हो सकते हैं और आप पर कोई कार्यवाई कर सकते हैं। परेशानी में आप कोई गलत काम कर सकते हैं और आपको स्थानान्तरित या निष्कासित किया जा सकता है। आपको हर काम सोच–विचार कर ही करना चाहिए, अन्यथा समस्या से घिर सकते हैं। आपके कई कार्य बनते–बनते बिगड़सकते हैं। आपको अपनी वाणी पर संयम एवं क्रोध पर नियंत्रण रखना चाहिए।

आपको पूजा–पाठ की तरफ अपना मन लगाना चाहिए। यदि आप व्यवसाय करते हैं, तो आग या चोरी के माध्यम से आपको हानि होने की संभावना है। आपका पैसा व्यापार में फँस सकता है। पैसा मांगने पर लोगटाल–मटोल कर सकते हैं। धीरे–धीरे व्यापार में हानि बढ़ती जाएगी और आपका मन व्यापार से हट सकता है। आपके कुछ सहयोगी भी शत्रुता निभाने की ताक में हो सकते हैं, इसलिए आप सावधान रहें। ईश्वर की आराधना करें। इस समय आपके व्यवसाय पर कोई सरकारी छापा पड़ सकता है और आप पर आर्थिक दण्ड लग सकता है। यदि आप साझेदारी में व्यवसाय कर रहे हैं, तो आपके साझेदार आपको धोखा दे सकते हैं। मानसिक परेशानियों के कारण आप अपने व्यवसाय पर ठीक से ध्यान नहीं दे पायेंगे, जिसका फायदा आपके कर्मचारी चोरी आदि कर के उठा सकते हैं।

आपके पिता कुछ अस्वस्थ हो सकते हैं, और उनकी शल्य क्रिया होने की भी कुछ संभावना है। आपको संचार के माध्यम से कुछ अशुभ समाचार प्राप्त हो सकता है, जिससे आप अधिक परेशान हो सकते हैं। अपने किसी मित्र से लिया कोई पुराना कर्ज आप चुकाने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण आप इसमे सफल नहीं हो सकते हैं। इतना होने के बावजूद आपमें आत्मबल की कमी नहीं होगी। आपके शत्रु आपके लिए बाधायें उत्पन्न कर सकते हैं, लेकिन आप उनकी परवाह ना करते हुए काम में लगे रहें, आपको निश्चित रूप से सफलता प्राप्त होगी।

यदि आप पत्रकारिता, लेखन, समीक्षा या संपादन से संबंधित कार्य करते हैं, तो काफी सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आपको दूसरे व्यक्तियों की सोच की चिंता नहीं हो सकती है। यदि आप चिकित्सा या केमिस्ट के क्षेत्र में हैं, तो इस समय आपको हानि हो सकती है। आपकी दी हुई दवा किसी को विपरित प्रतिक्रिया/रियेक्शन कर सकती है। विशेष सावधानी बरतें। यदि आप समाज सेवा या परोपकार में लिप्त हैं, तो आपको काफी उत्तम फल प्राप्त हो सकता है। आपको इस चरण के दौरान मानसिक स्थिरता बनाये रखनी चाहिए।

तृतिय ढ़ैय्या (जन्म चन्द्र से दूसरे) का फल

गोचर राशि –तुला

Start -06:10:1982

End -21:12:1984

Duration -2 y.2 m.15 d.

शनि के वक्री होने के कारण आगे दिए हुए समय में भी शनि साढेसाती का प्रभाव रहेगा।

Start -01:06:1985

End -17:09:1985

Duration -0 y.3 m.17 d.

आपको इस चरण में मिश्रित फल प्राप्त होगा। फल का स्वभाव आपकी कुण्डली में चल रही महादशा पर अधिक निर्भर करेगा। शुरू में आपको अशुभ फल प्राप्त हो सकते हैं, लेकिन बाद में शुभ फल प्राप्त होने लगेंगे। आप कोई भी काम काफी सोच–विचार के बाद ही करें। अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें एवं कोई भीकाम जल्दबाजी में ना करें, हानि हो सकती है। आप पर काम का बोझ बढ़ सकता है, लेकिन यह

भविष्य के लिए फायदेमंद होगा। इस समय आपको धन लाभ हो सकता है। यदि आप पर कोई कर्ज है, तो आप उसे चुकाने में सक्षम होंगे। आप भूमि, भवन या वाहन खरीद सकते हैं। अपनी माता से कोई उपहार प्राप्त हो सकता है। अपने विरोधियों से सावधान रहें।

यदि आप व्यवसाय करते हैं, तो अपनी मेहनत एवं दिमाग से तरक्की करेंगे। आपको अपने व्यवसाय में चोरी होने की काफी संभावना है। अपने कर्मचारियों से सावधान रहें। अधिक कार्यभार होने के कारण आप अपने परिवार पर पर्याप्त समय नहीं दे सकते हैं, जिसकी वजह से आपके परिवार वाले आपसे नाराज हो सकते हैं। यदि आप नौकरी करते हैं, तो मनचाहे स्थान पर अपना स्थानान्तरण करवा सकते हैं। आपके अधिकारी आपसे खुश रह सकते हैं, लेकिन आपके सहयोगी उन्हें भड़का सकते हैं। किसी भी कागज पर बिना पढ़े हस्ताक्षर ना करें। यदि आप आर्थिक लेन–देन के क्षेत्र में हैं, तो आपको काफी सावधान रहना चाहिए, आप पर रिश्वत का आरोप लग सकता है। नेताओं से दूर रहें, उन्हें किसी भी तरह से नाराज ना करें।

आप परोपकार एवं धार्मिक कार्यों में बढ़–चढ़ कर हिस्सा लेंगे, जिससे आपको समाज में सम्मान मिलेगा। आपको धार्मिक साहित्य के अध्ययन में रूचि हो सकती है। आप धार्मिक स्थल की यात्रा भी कर सकते हैं।यदि आप अभी विद्यार्थी हैं, तो खूब मेहनत करें, अन्यथा परीक्षा में असफल हो सकते हैं। चरण के मध्य काल में आपकी माता अस्वस्थ रह सकती हैं, जिसकी वजह से आप काम पर ध्यान नहीं दे पाएंगे। इससे आपको आर्थिक हानि हो सकती है। कुछ समय बाद आपकी माता स्वस्थ हो जाएंगी और आप अपने काम पर पुनः ध्यान देने लगेंगे। अधिक कार्य होने के कारण आप घर पर समय नहीं दे पाएंगे, जिसकी वजह सेआपके जीवनसाथी नाराज हो सकते हैं। अतः परिवार पर भी पर्याप्त समय दें। इस समय आपकी आर्थिकउन्नति होगी। अपने मित्रों एवं रिश्तेदारों से मधुर संबंध बनाकर रखें। वाणी पर संयम बहुत जरूरी है। आपके शत्रु आपको हानि पहुंचाने का प्रयास करेंगे, लेकिन वे सफल नहीं हो पाएंगे। आप उनकी परवाह ना करते हुए अपना काम करते रहें।

इस समय आप पैरों में दर्द से पीड़ित रह सकते हैं। अधिक मेहनत एवं भाग–दौड़ के कारण आपका शरीरकमजोर हो सकता है। वैसे तो आपको पैसे की कमी नहीं होगी, लेकिन आप हमेशा अधिक धन कमाने के बारे में सोचते रह सकते हैं। आप सुख की प्राप्ति के लिए इधर–उधर भटक सकते हैं और अपनेघर पर ध्यान नहीं दे सकते हैं। आप लोगों पर वर्चस्व पाने की कोशिश में लगे रहेंगे। धन कमाने के लिए आप किसी दूरस्थ स्थान या विदेश भी जा सकते हैं। आपको उंचाई से गिरने, वाहन से चोट, आग, बिजली या किसी जानवर से चोट का खतरा हो सकता है। आपको काफी सावधानी से काम करना चाहिएऔर ईश्वार का ध्यान करते हुए आगे बढ़ते रहना चाहिए।

कंटक शनि (जन्म चन्द्र से चौथे) का फल

गोचर राशि –धनु

Start -17:12:1987

End -21:03:1990

Duration -2 y.3 m.3 d.

शनि के वक्री होने के कारण आगे दिए हुए समय में भी शनि साढेसाती का प्रभाव रहेगा।

Start -20:06:1990

End -15:12:1990

Duration -0 y.5 m.26 d.

इस चरण का फल आपके लिए काफी अशुभ हो सकता है। आपको एक साथ कई रोग हो सकते हैं। इन

रोगों के कारण आप काफी निराश हो सकते हैं। आपके पिता को भी कष्ट हो सकता है, जिससे आप परेशान हो सकते हैं। यदि किसी क्रूर/अशुभ ग्रह की दशा भी चल रही है, तो आप किसी नजदीकी का वियोग भी सह सकते हैं। संचार के माध्यम से कोई अशुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। यदि आप नौकरी करते हैं, तो आपके सहकर्मी आपके साथ शत्रुतापूर्ण व्यवहार कर सकते हैं। आप पर नित्य नए आरोप लग सकते हैं, जिसकी वजह से आप मानसिक रूप से काफी परेशान हो सकते हैं और अस्पताल में भी भर्ती होसकते हैं। आपकी नौकरी भी छूट सकती है।

आपका कोई पुराना शत्रु अचानक आपके सामने आ सकता है, जिसकी वजह से आप परेशन रह सकते हैं।इस समय कोई भी आपकी मदद को नहीं आएगा। आप कई प्रकार से हानि उठा सकते हैं और आर्थिकहानि हो सकती है। यदि आप कोई व्यवसाय करते हैं, तो आपका व्यवसाय बंद होने के कगार पर हो सकता है। यदि किसी शुभ ग्रह के प्रभाव से आपका व्यवसाय बच जाता है, तो भी हानि तो होनी ही है। शत्रु आपके व्यवसाय की बदनामी फैला सकते हैं। आपके किसी कर्मचारी को लालच देकर आपकी गुप्त सूचनाएं एकत्र कर सकते हैं और छापा पड़वाने में मुख्य भूमिका निभा सकते हैं। आपको सत्तापक्ष से भी हानि हो सकती है। आपका कोई भुगतान रूक सकता है। आप जो भी काम करें, सोच–समझ कर ही करें। अनुकूल समय का इंतजार करें एवं बुरे समय को ईश्वर का ध्यान करते हुए निकाल दें।

वाहन चलाते समय काफी सावधानी बरतें, दुर्घटना की संभावना हो सकती है। सिर में गंभीर चोट लगने कीअधिक संभावना है। आपके मामा या मौसी की ओर से आप पर कोई गंभीर आरोप लग सकता है, जिसकी वजह से आपकी माता को कष्ट हो सकता है। उनका स्वास्थ्य खराब हो सकता है। आपके जीवनसाथी का व्यवहार भी आपके प्रति परिवर्तित हो सकता है, जिसकी वजह से आप मानसिक रूप से परेशान हो सकते हैं। आप गलत कार्यों की तरफ आकृष्ट हो सकते हैं। सत्तापक्ष से भी दण्ड मिल सकता है। इस चरण में आपके धनोपार्जन के सारे प्रयास विफल हो सकते हैं, और जो कुछ भी आप कमायेंगे वो सब भोग–विलास में गवां सकते हैं।

यदि आपकी आयु 34 से 47 वर्ष के मध्य है और राहु भी अशुभ है, तो आपको कारावास भी हो सकता है। यदि मंगल अशुभ है, तो किसी दुर्घटना में अपना कोई अंग भी गंवा सकते हैं। इस दौरान आप अपने भाइयों से अलग हो सकते हैं और जो कुछ धन बंटवारे से मिलेगा वो फालतू के कार्यों में खर्च कर सकते हैं। आप उचित निर्णय लेने में अक्षम हो सकते हैं। लोगों के प्रति आपका व्यवहार भी बदल सकता है, जिसकी वजह से आपके अपने लो भी आपसे बात करना पसंद नहीं कर सकते हैं। आपमें धर्म के प्रति आस्था कम हो सकती है। आपको धार्मिक कार्यों में मन लगाना चाहिए।

अष्टम शनि (जन्म चन्द्र से आठवें) का फल

गोचर राशि –मेष

Start -17:04:1998

End -07:06:2000

Duration -2 y.1 m.21 d.

इस चरण का फल आपके लिए अधिक अशुभ नहीं हो सकता है। यदि आपकी कुण्डली में शनि किसी शुभभाव में बैठा है, तो आपको शुभ फल अधिक प्राप्त हो सकता है। आपको काफी शारीरिक कष्ट हो सकते हैं, जो कि मृत्युतुल्य हो सकते हैं। आपके भाई–बहनों को भी कष्ट हो सकता है। आप भी रोग ग्रस्त हो सकते हैं। अर्श, भगंदर आदि होने की अधिक संभावना है। आप निम्न तबके की महिलाओं के सम्पर्क में आ सकते हैं, जिससे आप समाज में अपमानित हो सकते हैं। आपको अपना चरित्र एवं व्यवहार साफ रखना चाहिए। आपका अवैध संबंध बहुत जल्द लोगों के सामने आ सकता है और आपके परिवार में क्लेश हो सकता

है।

यदि आप विद्यार्थी हैं, तो आपको अपने समाज पर ध्यान देना चाहिए, क्योंकि इस चरण के दौरान आपके भटकने की काफी संभावना है। अध्ययन के क्षेत्र में आपको सफलता प्राप्त हो सकती है। आपको अपने खर्चे पर नियंत्रण रखना चाहिए और जितना पैसा घर से मिलता है, उतने में ही काम चलायें। अधिक सपनेना देंखें। आप नित्य कई गलतियां कर सकते हैं बाद में आपको पछतावा भी होगा, लेकिन ग्रहों के प्रभाव से पुनः वहीं गलतियां दोहराते रहेंगे। आप अपने कार्यों से ही अपने लोगों में हंसी के पात्र बन सकतेहैं। आप अपने कार्यों को कार्यान्वित करने के लिए फरेब का सहारा भी ले सकते हैं। लोग आपकी बातों पर विश्वास नहीं कर सकते हैं। आपके अपने लोग भी आपका साथ छोड़ सकते हैं। आपके व्यवहार में आए परिवर्तन से आपके दोस्त भी दुश्मन बन सकते हैं। आपके पुराने शत्रु आपके कामों में बाधा पहुंचा सकते हैं। आपका कोई शत्रु आपसे मित्रता कर आपसे गलत कार्य करवा सकता है, सचेत रहें।

यदि आप व्यवसाय करते हैं, तो आपके कपटपूर्ण वयवहार के कारण कई लोग आपके साथ व्यापार बंद करसकते हैं। आपका मन अपने कारोबार में नहीं लग सकता है। आप आलसी हो सकते हैं, जिसकी वजहसे आप व्यवसाय में पिछड़ सकते हैं तथा आपके कर्मचारी इसका लाभ उठा सकते हैं। व्यापार में आर्थिक संकट आ सकता है और आप कर्जदारों से मुंह छिपा सकते हैं। यदि आप नौकरी करते हैं, तो शारीरिक अक्षमता के कारण आपका मन अपने काम में नहीं लग सकता है। आप समय पर अपना काम पूरा नहीं कर पाएंगे, जिससे आपके वरिष्ठ अधिकारी आपसे नाराज हो सकते हैं और आपका स्थानान्तरण भी हो सकता है। आपको कोई दण्ड भी मिल सकता है। इस समय आप सिर्फ अपना स्वार्थ देख सकते हैं। आप सिर्फ धनोपार्जन के बारे में सोच सकते हैं। आप रिश्वत आदि भी लेना शुरू कर सकते हैं, लेकिनयह सबके सामने आ जाएगा। आपके सहयोगी ही आपको रंगे हाथ पकड़वा सकते हैं।

यदि आपकी आयु 34 से 46 वर्ष के मध्य है, तो आपको अधिक कष्ट हो सकता है। इस चरण के दौरान आप अधिकांश समय अस्वस्थ ही रहेंगे, लेकिन आप जब स्वस्थ होंगे, तो आप पर काम–वासना हावी रहेगा। आप अप्राकृतिक संबंध भी बना सकते हैं, जिससे आपको गुप्त यौन रोग होने का खतरा हो सकता है।

शनि साढेसाती के द्वितिय चक्र का विवरण

प्रथम ढ़ैय्या (जन्म चन्द्र से बारहवें) का फल

गोचर राशि –सिहं

Start -01:11:2006

End -10:01:2007

Duration -0 y.2 m.9 d.

शनि के वक्री होने के कारण आगे दिए हुए समय में भी शनि साढेसाती का प्रभाव रहेगा।

Start -16:07:2007

End -10:09:2009

Duration -2 y.1 m.25 d.

आपके लिए यह चरण घातक हो सकता है। इस चरण के आरम्भ से ही आपको मानसिक तनाव रह सकता है। तनाव का कारण आपका संतान पक्ष हो सकता है। आपकी संतान आपके हर काम का विरोध करेगी। आपके लिए नित्य नई समस्यायें पैदा करेंगी। आप अपनी संतान की बीमारी पर भी काफी पैसा खर्च कर सकते हैं। आप अपने कार्यों से अपनी संतान के कार्यों में बाधायें उत्पन्न कर सकते हैं। आपकी

संतान आपके विचारों से सहमत नहीं हो सकती है। अपनी संतान के कारण आपको कष्ट हो सकता है। आपको अपनी संतान पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

इस समय आपके शत्रु काफी सक्रिय होंगे एवं आपको हानि पहुंचाने की प्रयास करेंगे एवं अपने प्रयासों में वेसफल भी होंगे। आप कई अप्रत्याशित खर्चें कर सकते हैं, जिसकी आपको उम्मीद भी नहीं होगी। आप कई लम्बी यात्राएं कर सकते हैं, जिनसे कोई लाभ होने की संभावना नहीं है। नित्य नई आने वाली परेशानियों के कारण धर्म एवं ईश्वर पर से आपका विश्वास उठ सकता है। इस समय आप ना किसी को उधार दें और ना उधार लें, इससे कई समस्याओं से बच सकते हैं। आप उदर कष्ट एवं त्वचा संबंधित ऐसे रोगों से पीड़ित हो सकते हैं, जो लम्बे समय तक चल सकते हैं। भाग्य आपका साथ नहीं दे सकता है।

आपको मानसिक रूप से मजबूत बनना चाहिए। भावना में बहकर कोई ऐसा काम ना करें, जिससे आपको अपमानित होना पड़े। आपके मामा–मौसी को भी कई समस्यओं का सामना करना पड़ सकता है। आपके कार्यों में काफी बाधायें आ सकती हैं। आप आर्थिक रूप से इतने परेशान हो सकते हैं, कि धनोपार्जन के लिए किसी दूसरे शहर में जा सकते हैं, लेकिन वहां भी आपको सफलता प्राप्त नहीं हो सकती है। आप भोग–विलास एवं परिधान पर काफी खर्च कर सकते हैं। यदि आपकी आयु 30 से 46 के मध्य है, तो आपको पुत्र की प्राप्ति हो सकती है। मानसिक रूप से परेशान रहने के कारण आपका मस्तिष्क सही दिशा में कार्य नहीं कर सकता है। खुद को सफल करने के लिए आप फालतू के कार्यों पर अत्यधिक खर्चे कर सकते हैं, जिसका आपको बाद में पछतावा हो सकता है।

इस चरण के मध्य में आपको कुछ आराम मिल सकता है। आप अपनी मनोशक्ति के बल पर कुछ सफलताएं प्राप्त कर सकते हैं। कुछ समय के लिए आपकी आर्थिक स्थिति भी सुधर सकती है और आपके कुछ बिगड़े काम बन सकते हैं। लेकिन यह समय थोड़ी देर के लिए ही आएगा। इसके बाद आपके शत्रु पहले की तुलना में अधिक सक्रिय होंगे और आपको हानि पहुंचाने का प्रयास करेंगे, लेकिन वे सफल नहीं हो सकते हैं। यदि आप नौकरी करते हैं, तो आपके अधिकारी आपसे नाराज रह सकते हैं और आपको कष्ट पहुंचने का प्रयास कर सकते हैं। अपको सतर्क रहना चाहिए और अतिविश्वास में नहीं आना चाहिए। अतिविश्वास के कारण आप चोरी के शिकार हो सकते हैं, विशेषकर यात्रा के दौरान। इस समय आपको अपने ही कामों से अधिक हानि हो सकती है। अपने भाइयों से बंटवारा भी हो सकता है। यदि आपकी कुण्डली में किसी शुभ ग्रह की दशा चल रही है, तो अशुभ फलों में कुछ कमी हो सकती है। चरण के अन्त समय में लाभ के मौके प्राप्त होंगे, उनका पूरा फायदा उठायें।

द्वितिय ढ़ैय्या (जन्म चन्द्र से पहले) का फल

गोचर राशि –कन्या

Start -10:09:2009

End -15:11:2011

Duration -2 y.2 m.5 d.

शनि के वक्री होने के कारण आगे दिए हुए समय में भी शनि साढेसाती का प्रभाव रहेगा।

Start -16:05:2012

End -04:08:2012

Duration -0 y.2 m.19 d.

यह चरण आपके लिए घातक हो सकता है। यदि आपकी कुण्डली में किसी शुभ ग्रह की दशा चल रही है,तभी आपको कुछ शुभ फल प्राप्त हो सकता है। इस चरण की शुरूआत से ही आपको अशुभ संकेत मिलने लगेंगे। आप मानसिक रोग, उन्माद, चर्मरोग, वात आदि से पीड़ित रह सकते हैं। यदि बचपन में ही

यह चरण आता है, तो आपको बालारिष्ठ हो सकता है। आपकी चिन्ता खत्म भी नहीं होगी, कि दूसरी नई चिन्ता आपके सामने होगी। आप मानसिक रूप से व्यथित हो सकते हैं एवं भले–बूरे की पहचान खो सकतेहैं। काम–वासना आप पर हावी रहेगा। इसके लिए आप किसी भी हद तक जा सकते हैं और समाजमें अपमानित हो सकते हैं। आप काफी स्वार्थी हो सकते हैं और हर काम में पहले अपना स्वार्थ देखेंगे।

यदि इस समय आपकी आयु 34 से 47 वर्ष के मध्य है, तो आपको अधिक कष्ट प्राप्त हो सकते हैं। यदि आप नौकरी करते हैं, तो आप नित्य नई समस्याओं का सामना कर सकते हैं। आपके सहयोगी आपके खिलाफ हो सकते हैं और आपकी शिकायत वरिष्ठ अधिकारियों से कर सकते हैं। इससे आपके वरिष्ठ अधिकारी भी आपसे नाराज हो सकते हैं और आप पर कोई कार्यवाई कर सकते हैं। परेशानी में आप कोई गलत काम कर सकते हैं और आपको स्थानान्तरित या निष्कासित किया जा सकता है। आपको हर काम सोच–विचार कर ही करना चाहिए, अन्यथा समस्या से घिर सकते हैं। आपके कई कार्य बनते–बनते बिगड़सकते हैं। आपको अपनी वाणी पर संयम एवं क्रोध पर नियंत्रण रखना चाहिए।

आपको पूजा–पाठ की तरफ अपना मन लगाना चाहिए। यदि आप व्यवसाय करते हैं, तो आग या चोरी के माध्यम से आपको हानि होने की संभावना है। आपका पैसा व्यापार में फँस सकता है। पैसा मांगने पर लोगटाल–मटोल कर सकते हैं। धीरे–धीरे व्यापार में हानि बढ़ती जाएगी और आपका मन व्यापार से हट सकता है। आपके कुछ सहयोगी भी शत्रुता निभाने की ताक में हो सकते हैं, इसलिए आप सावधान रहें। ईश्वर की आराधना करें। इस समय आपके व्यवसाय पर कोई सरकारी छापा पड़ सकता है और आप पर आर्थिक दण्ड लग सकता है। यदि आप साझेदारी में व्यवसाय कर रहे हैं, तो आपके साझेदार आपको धोखा दे सकते हैं। मानसिक परेशानियों के कारण आप अपने व्यवसाय पर ठीक से ध्यान नहीं दे पायेंगे, जिसका फायदा आपके कर्मचारी चोरी आदि कर के उठा सकते हैं।

आपके पिता कुछ अस्वस्थ हो सकते हैं, और उनकी शल्य क्रिया होने की भी कुछ संभावना है। आपको संचार के माध्यम से कुछ अशुभ समाचार प्राप्त हो सकता है, जिससे आप अधिक परेशान हो सकते हैं। अपने किसी मित्र से लिया कोई पुराना कर्ज आप चुकाने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण आप इसमे सफल नहीं हो सकते हैं। इतना होने के बावजूद आपमें आत्मबल की कमी नहीं होगी। आपके शत्रु आपके लिए बाधायें उत्पन्न कर सकते हैं, लेकिन आप उनकी परवाह ना करते हुए काम में लगे रहें, आपको निश्चित रूप से सफलता प्राप्त होगी।

यदि आप पत्रकारिता, लेखन, समीक्षा या संपादन से संबंधित कार्य करते हैं, तो काफी सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आपको दूसरे व्यक्तियों की सोच की चिंता नहीं हो सकती है। यदि आप चिकित्सा या केमिस्ट के क्षेत्र में हैं, तो इस समय आपको हानि हो सकती है। आपकी दी हुई दवा किसी को विपरित प्रतिक्रिया/रियेक्शन कर सकती है। विशेष सावधानी बरतें। यदि आप समाज सेवा या परोपकार में लिप्त हैं, तो आपको काफी उत्तम फल प्राप्त हो सकता है। आपको इस चरण के दौरान मानसिक स्थिरता बनाये रखनी चाहिए।

तृतिय ढ़ैय्या (जन्म चन्द्र से दूसरे) का फल

गोचर राशि –तुला

Start -15:11:2011

End -16:05:2012

Duration -0 y.6 m.0 d.

शनि के वक्री होने के कारण आगे दिए हुए समय में भी शनि साढेसाती का प्रभाव रहेगा।

Start -04:08:2012

End -02:11:2014

Duration -2 y.2 m.28 d.

आपको इस चरण में मिश्रित फल प्राप्त होगा। फल का स्वभाव आपकी कुण्डली में चल रही महादशा पर अधिक निर्भर करेगा। शुरू में आपको अशुभ फल प्राप्त हो सकते हैं, लेकिन बाद में शुभ फल प्राप्त होने लगेंगे। आप कोई भी काम काफी सोच–विचार के बाद ही करें। अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें एवं कोई भीकाम जल्दबाजी में ना करें, हानि हो सकती है। आप पर काम का बोझ बढ़ सकता है, लेकिन यह भविष्यके लिए फायदेमंद होगा। इस समय आपको धन लाभ हो सकता है। यदि आप पर कोई कर्ज है, तोआप उसे चुकाने में सक्षम होंगे। आप भूमि, भवन या वाहन खरीद सकते हैं। अपनी माता से कोई उपहारप्राप्त हो सकता है। अपने विरोधियों से सावधान रहें।

यदि आप व्यवसाय करते हैं, तो अपनी मेहनत एवं दिमाग से तरक्की करेंगे। आपको अपने व्यवसाय में चोरी होने की काफी संभावना है। अपने कर्मचारियों से सावधान रहें। अधिक कार्यभार होने के कारण आप अपने परिवार पर पर्याप्त समय नहीं दे सकते हैं, जिसकी वजह से आपके परिवार वाले आपसे नाराज हो सकते हैं। यदि आप नौकरी करते हैं, तो मनचाहे स्थान पर अपना स्थानान्तरण करवा सकते हैं। आपके अधिकारी आपसे खुश रह सकते हैं, लेकिन आपके सहयोगी उन्हें भड़का सकते हैं। किसी भी कागज पर बिना पढ़े हस्ताक्षर ना करें। यदि आप आर्थिक लेन–देन के क्षेत्र में हैं, तो आपको काफी सावधान रहना चाहिए, आप पर रिश्वत का आरोप लग सकता है। नेताओं से दूर रहें, उन्हें किसी भी तरह से नाराज ना करें।

आप परोपकार एवं धार्मिक कार्यों में बढ़–चढ़ कर हिस्सा लेंगे, जिससे आपको समाज में सम्मान मिलेगा। आपको धार्मिक साहित्य के अध्ययन में रूचि हो सकती है। आप धार्मिक स्थल की यात्रा भी कर सकते हैं।यदि आप अभी विद्यार्थी हैं, तो खूब मेहनत करें, अन्यथा परीक्षा में असफल हो सकते हैं। चरण के मध्य काल में आपकी माता अस्वस्थ रह सकती हैं, जिसकी वजह से आप काम पर ध्यान नहीं दे पाएंगे। इससे आपको आर्थिक हानि हो सकती है। कुछ समय बाद आपकी माता स्वस्थ हो जाएंगी और आप अपने काम पर पुनः ध्यान देने लगेंगे। अधिक कार्य होने के कारण आप घर पर समय नहीं दे पाएंगे, जिसकी वजह सेआपके जीवनसाथी नाराज हो सकते हैं। अतः परिवार पर भी पर्याप्त समय दें। इस समय आपकी आर्थिकउन्नति होगी। अपने मित्रों एवं रिश्तेदारों से मधुर संबंध बनाकर रखें। वाणी पर संयम बहुत जरूरी है। आपके शत्रु आपको हानि पहुंचाने का प्रयास करेंगे, लेकिन वे सफल नहीं हो पाएंगे। आप उनकी परवाह ना करते हुए अपना काम करते रहें।

इस समय आप पैरों में दर्द से पीड़ित रह सकते हैं। अधिक मेहनत एवं भाग–दौड़ के कारण आपका शरीरकमजोर हो सकता है। वैसे तो आपको पैसे की कमी नहीं होगी, लेकिन आप हमेशा अधिक धन कमाने के बारे में सोचते रह सकते हैं। आप सुख की प्राप्ति के लिए इधर–उधर भटक सकते हैं और अपनेघर पर ध्यान नहीं दे सकते हैं। आप लोगों पर वर्चस्व पाने की कोशिश में लगे रहेंगे। धन कमाने के लिए आप किसी दूरस्थ स्थान या विदेश भी जा सकते हैं। आपको उंचाई से गिरने, वाहन से चोट, आग, बिजली या किसी जानवर से चोट का खतरा हो सकता है। आपको काफी सावधानी से काम करना चाहिएऔर ईश्वार का ध्यान करते हुए आगे बढ़ते रहना चाहिए।

कंटक शनि (जन्म चन्द्र से चौथे) का फल

गोचर राशि –धनु

Start -26:01:2017

End -21:06:2017

Duration -0 y.4 m.24 d.

शनि के वक्री होने के कारण आगे दिए हुए समय में भी शनि साढेसाती का प्रभाव रहेगा।

Start -26:10:2017

End -24:01:2020

Duration -2 y.2 m.29 d.

इस चरण का फल आपके लिए काफी अशुभ हो सकता है। आपको एक साथ कई रोग हो सकते हैं। इन रोगों के कारण आप काफी निराश हो सकते हैं। आपके पिता को भी कष्ट हो सकता है, जिससे आप परेशान हो सकते हैं। यदि किसी क्रूर/अशुभ ग्रह की दशा भी चल रही है, तो आप किसी नजदीकी का वियोग भी सह सकते हैं। संचार के माध्यम से कोई अशुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। यदि आप नौकरी करते हैं, तो आपके सहकर्मी आपके साथ शत्रुतापूर्ण व्यवहार कर सकते हैं। आप पर नित्य नए आरोप लग सकते हैं, जिसकी वजह से आप मानसिक रूप से काफी परेशान हो सकते हैं और अस्पताल में भी भर्ती होसकते हैं। आपकी नौकरी भी छूट सकती है।

आपका कोई पुराना शत्रु अचानक आपके सामने आ सकता है, जिसकी वजह से आप परेशन रह सकते हैं।इस समय कोई भी आपकी मदद को नहीं आएगा। आप कई प्रकार से हानि उठा सकते हैं और आर्थिकहानि हो सकती है। यदि आप कोई व्यवसाय करते हैं, तो आपका व्यवसाय बंद होने के कगार पर हो सकता है। यदि किसी शुभ ग्रह के प्रभाव से आपका व्यवसाय बच जाता है, तो भी हानि तो होनी ही है। शत्रु आपके व्यवसाय की बदनामी फैला सकते हैं। आपके किसी कर्मचारी को लालच देकर आपकी गुप्त सूचनाएं एकत्र कर सकते हैं और छापा पड़वाने में मुख्य भूमिका निभा सकते हैं। आपको सत्तापक्ष से भी हानि हो सकती है। आपका कोई भुगतान रूक सकता है। आप जो भी काम करें, सोच–समझ कर ही करें। अनुकूल समय का इंतजार करें एवं बुरे समय को ईश्वर का ध्यान करते हुए निकाल दें।

वाहन चलाते समय काफी सावधानी बरतें, दुर्घटना की संभावना हो सकती है। सिर में गंभीर चोट लगने कीअधिक संभावना है। आपके मामा या मौसी की ओर से आप पर कोई गंभीर आरोप लग सकता है, जिसकी वजह से आपकी माता को कष्ट हो सकता है। उनका स्वास्थ्य खराब हो सकता है। आपके जीवनसाथी का व्यवहार भी आपके प्रति परिवर्तित हो सकता है, जिसकी वजह से आप मानसिक रूप से परेशान हो सकते हैं। आप गलत कार्यों की तरफ आकृष्ट हो सकते हैं। सत्तापक्ष से भी दण्ड मिल सकता है। इस चरण में आपके धनोपार्जन के सारे प्रयास विफल हो सकते हैं, और जो कुछ भी आप कमायेंगे वो सब भोग–विलास में गवां सकते हैं।

यदि आपकी आयु 34 से 47 वर्ष के मध्य है और राहु भी अशुभ है, तो आपको कारावास भी हो सकता है। यदि मंगल अशुभ है, तो किसी दुर्घटना में अपना कोई अंग भी गंवा सकते हैं। इस दौरान आप अपने भाइयों से अलग हो सकते हैं और जो कुछ धन बंटवारे से मिलेगा वो फालतू के कार्यों में खर्च कर सकते हैं। आप उचित निर्णय लेने में अक्षम हो सकते हैं। लोगों के प्रति आपका व्यवहार भी बदल सकता है, जिसकी वजह से आपके अपने लो भी आपसे बात करना पसंद नहीं कर सकते हैं। आपमें धर्म के प्रति आस्था कम हो सकती है। आपको धार्मिक कार्यों में मन लगाना चाहिए।

अष्टम शनि (जन्म चन्द्र से आठवें) का फल

गोचर राशि –मेष

Start -03:06:2027

End -20:10:2027

Duration -0 y.4 m.17 d.

शनि के वक्री होने के कारण आगे दिए हुए समय में भी शनि साढेसाती का प्रभाव रहेगा।

Start -23:02:2028

End -08:08:2029

Duration -1 y.5 m.14 d.

इस चरण का फल आपके लिए अधिक अशुभ नहीं हो सकता है। यदि आपकी कुण्डली में शनि किसी शुभभाव में बैठा है, तो आपको शुभ फल अधिक प्राप्त हो सकता है। आपको काफी शारीरिक कष्ट हो सकते हैं, जो कि मृत्युतुल्य हो सकते हैं। आपके भाई–बहनों को भी कष्ट हो सकता है। आप भी रोग ग्रस्त हो सकते हैं। अर्श, भगंदर आदि होने की अधिक संभावना है। आप निम्न तबके की महिलाओं के सम्पर्क में आ सकते हैं, जिससे आप समाज में अपमानित हो सकते हैं। आपको अपना चरित्र एवं व्यवहार साफ रखना चाहिए। आपका अवैध संबंध बहुत जल्द लोगों के सामने आ सकता है और आपके परिवार में क्लेश हो सकता है।

यदि आप विद्यार्थी हैं, तो आपको अपने समाज पर ध्यान देना चाहिए, क्योंकि इस चरण के दौरान आपके भटकने की काफी संभावना है। अध्ययन के क्षेत्र में आपको सफलता प्राप्त हो सकती है। आपको अपने खर्चे पर नियंत्रण रखना चाहिए और जितना पैसा घर से मिलता है, उतने में ही काम चलायें। अधिक सपनेना देंखें। आप नित्य कई गलतियां कर सकते हैं बाद में आपको पछतावा भी होगा, लेकिन ग्रहों के प्रभाव से पुनः वहीं गलतियां दोहराते रहेंगे। आप अपने कार्यों से ही अपने लोगों में हंसी के पात्र बन सकतेहैं। आप अपने कार्यों को कार्यान्वित करने के लिए फरेब का सहारा भी ले सकते हैं। लोग आपकी बातों पर विश्वास नहीं कर सकते हैं। आपके अपने लोग भी आपका साथ छोड़ सकते हैं। आपके व्यवहार में आए परिवर्तन से आपके दोस्त भी दुश्मन बन सकते हैं। आपके पुराने शत्रु आपके कामों में बाधा पहुंचा सकते हैं। आपका कोई शत्रु आपसे मित्रता कर आपसे गलत कार्य करवा सकता है, सचेत रहें।

यदि आप व्यवसाय करते हैं, तो आपके कपटपूर्ण वयवहार के कारण कई लोग आपके साथ व्यापार बंद करसकते हैं। आपका मन अपने कारोबार में नहीं लग सकता है। आप आलसी हो सकते हैं, जिसकी वजहसे आप व्यवसाय में पिछड़ सकते हैं तथा आपके कर्मचारी इसका लाभ उठा सकते हैं। व्यापार में आर्थिक संकट आ सकता है और आप कर्जदारों से मुंह छिपा सकते हैं। यदि आप नौकरी करते हैं, तो शारीरिक अक्षमता के कारण आपका मन अपने काम में नहीं लग सकता है। आप समय पर अपना काम पूरा नहीं कर पाएंगे, जिससे आपके वरिष्ठ अधिकारी आपसे नाराज हो सकते हैं और आपका स्थानान्तरण भी हो सकता है। आपको कोई दण्ड भी मिल सकता है। इस समय आप सिर्फ अपना स्वार्थ देख सकते हैं। आप सिर्फ धनोपार्जन के बारे में सोच सकते हैं। आप रिश्वत आदि भी लेना शुरू कर सकते हैं, लेकिनयह सबके सामने आ जाएगा। आपके सहयोगी ही आपको रंगे हाथ पकड़वा सकते हैं।

यदि आपकी आयु 34 से 46 वर्ष के मध्य है, तो आपको अधिक कष्ट हो सकता है। इस चरण के दौरान आप अधिकांश समय अस्वस्थ ही रहेंगे, लेकिन आप जब स्वस्थ होंगे, तो आप पर काम–वासना हावी रहेगा। आप अप्राकृतिक संबंध भी बना सकते हैं, जिससे आपको गुप्त यौन रोग होने का खतरा हो सकता है।

शनि साढेसाती के तृतिय चक्र का विवरण

प्रथम ढ़ैय्या (जन्म चन्द्र से बारहवें) का फल

गोचर राशि –सिहं

Start -27:08:2036

End -22:10:2038

Duration -2 y.1 m.25 d.

शनि के वक्री होने के कारण आगे दिए हुए समय में भी शनि साढेसाती का प्रभाव रहेगा।

Start -05:04:2039

End -13:07:2039

Duration -0 y.3 m.8 d.

आपके लिए यह चरण घातक हो सकता है। इस चरण के आरम्भ से ही आपको मानसिक तनाव रह सकता है। तनाव का कारण आपका संतान पक्ष हो सकता है। आपकी संतान आपके हर काम का विरोध करेगी। आपके लिए नित्य नई समस्यायें पैदा करेंगी। आप अपनी संतान की बीमारी पर भी काफी पैसा खर्च कर सकते हैं। आप अपने कार्यों से अपनी संतान के कार्यों में बाधायें उत्पन्न कर सकते हैं। आपकी संतान आपके विचारों से सहमत नहीं हो सकती है। अपनी संतान के कारण आपको कष्ट हो सकता है। आपको अपनी संतान पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

इस समय आपके शत्रु काफी सक्रिय होंगे एवं आपको हानि पहुंचाने की प्रयास करेंगे एवं अपने प्रयासों में वेसफल भी होंगे। आप कई अप्रत्याशित खर्चे कर सकते हैं, जिसकी आपको उम्मीद भी नहीं होगी। आप कई लम्बी यात्राएं कर सकते हैं, जिनसे कोई लाभ होने की संभावना नहीं है। नित्य नई आने वाली परेशानियों के कारण धर्म एवं ईश्वर पर से आपका विश्वास उठ सकता है। इस समय आप ना किसी को उधार दें और ना उधार लें, इससे कई समस्याओं से बच सकते हैं। आप उदर कष्ट एवं त्वचा संबंधित ऐसे रोगों से पीड़ित हो सकते हैं, जो लम्बे समय तक चल सकते हैं। भाग्य आपका साथ नहीं दे सकता है।

आपको मानसिक रूप से मजबूत बनना चाहिए। भावना में बहकर कोई ऐसा काम ना करें, जिससे आपको अपमानित होना पड़े। आपके मामा–मौसी को भी कई समस्यओं का सामना करना पड़ सकता है। आपके कार्यों में काफी बाधायें आ सकती हैं। आप आर्थिक रूप से इतने परेशान हो सकते हैं, कि धनोपार्जन के लिए किसी दूसरे शहर में जा सकते हैं, लेकिन वहां भी आपको सफलता प्राप्त नहीं हो सकती है। आप भोग–विलास एवं परिधान पर काफी खर्च कर सकते हैं। यदि आपकी आयु 30 से 46 के मध्य है, तो आपको पुत्र की प्राप्ति हो सकती है। मानसिक रूप से परेशान रहने के कारण आपका मस्तिष्क सही दिशा में कार्य नहीं कर सकता है। खुद को सफल करने के लिए आप फालतू के कार्यों पर अत्यधिक खर्चे कर सकते हैं, जिसका आपको बाद में पछतावा हो सकता है।

इस चरण के मध्य में आपको कुछ आराम मिल सकता है। आप अपनी मनोशक्ति के बल पर कुछ सफलताएं प्राप्त कर सकते हैं। कुछ समय के लिए आपकी आर्थिक स्थिति भी सुधर सकती है और आपके कुछ बिगड़े काम बन सकते हैं। लेकिन यह समय थोड़ी देर के लिए ही आएगा। इसके बाद आपके शत्रु पहले की तुलना में अधिक सक्रिय होंगे और आपको हानि पहुंचाने का प्रयास करेंगे, लेकिन वे सफल नहीं हो सकते हैं। यदि आप नौकरी करते हैं, तो आपके अधिकारी आपसे नाराज रह सकते हैं और आपको कष्ट पहुंचने का प्रयास कर सकते हैं। अपको सतर्क रहना चाहिए और अतिविश्वास में नहीं आना चाहिए। अतिविश्वास के कारण आप चोरी के शिकार हो सकते हैं, विशेषकर यात्रा के दौरान। इस समय आपको अपने ही कामों से अधिक हानि हो सकती है। अपने भाइयों से बंटवारा भी हो सकता है। यदि आपकी कुण्डली में किसी शुभ ग्रह की दशा चल रही है, तो अशुभ फलों में कुछ कमी हो सकती है। चरण के अन्त समय में लाभ के मौके प्राप्त होंगे, उनका पूरा फायदा उठायें।

द्वितिय ढ़ैय्या (जन्म चन्द्र से पहले) का फल

गोचर राशि –कन्या

Start -22:10:2038

End -05:04:2039

Duration -0 y.5 m.13 d.

शनि के वक्री होने के कारण आगे दिए हुए समय में भी शनि साढेसाती का प्रभाव रहेगा।

Start -13:07:2039

End -28:01:2041

Duration -1 y.6 m.16 d.

यह चरण आपके लिए घातक हो सकता है। यदि आपकी कुण्डली में किसी शुभ ग्रह की दशा चल रही है,तभी आपको कुछ शुभ फल प्राप्त हो सकता है। इस चरण की शुरूआत से ही आपको अशुभ संकेत मिलने लगेंगे। आप मानसिक रोग, उन्माद, चर्मरोग, वात आदि से पीड़ित रह सकते हैं। यदि बचपन में ही यह चरण आता है, तो आपको बालारिष्ठ हो सकता है। आपकी चिन्ता खत्म भी नहीं होगी, कि दूसरी नई चिन्ता आपके सामने होगी। आप मानसिक रूप से व्यथित हो सकते हैं एवं भले–बूरे की पहचान खो सकतेहैं। काम–वासना आप पर हावी रहेगा। इसके लिए आप किसी भी हद तक जा सकते हैं और समाजमें अपमानित हो सकते हैं। आप काफी स्वार्थी हो सकते हैं और हर काम में पहले अपना स्वार्थ देखेंगे।

यदि इस समय आपकी आयु 34 से 47 वर्ष के मध्य है, तो आपको अधिक कष्ट प्राप्त हो सकते हैं। यदि आप नौकरी करते हैं, तो आप नित्य नई समस्याओं का सामना कर सकते हैं। आपके सहयोगी आपके खिलाफ हो सकते हैं और आपकी शिकायत वरिष्ठ अधिकारियों से कर सकते हैं। इससे आपके वरिष्ठ अधिकारी भी आपसे नाराज हो सकते हैं और आप पर कोई कार्यवाई कर सकते हैं। परेशानी में आप कोई गलत काम कर सकते हैं और आपको स्थानान्तरित या निष्कासित किया जा सकता है। आपको हर काम सोच–विचार कर ही करना चाहिए, अन्यथा समस्या से घिर सकते हैं। आपके कई कार्य बनते–बनते बिगड़सकते हैं। आपको अपनी वाणी पर संयम एवं क्रोध पर नियंत्रण रखना चाहिए।

आपको पूजा–पाठ की तरफ अपना मन लगाना चाहिए। यदि आप व्यवसाय करते हैं, तो आग या चोरी के माध्यम से आपको हानि होने की संभावना है। आपका पैसा व्यापार में फँस सकता है। पैसा मांगने पर लोगटाल–मटोल कर सकते हैं। धीरे–धीरे व्यापार में हानि बढ़ती जाएगी और आपका मन व्यापार से हट सकता है। आपके कुछ सहयोगी भी शत्रुता निभाने की ताक में हो सकते हैं, इसलिए आप सावधान रहें। ईश्वर की आराधना करें। इस समय आपके व्यवसाय पर कोई सरकारी छापा पड़ सकता है और आप पर आर्थिक दण्ड लग सकता है। यदि आप साझेदारी में व्यवसाय कर रहे हैं, तो आपके साझेदार आपको धोखा दे सकते हैं। मानसिक परेशानियों के कारण आप अपने व्यवसाय पर ठीक से ध्यान नहीं दे पायेंगे, जिसका फायदा आपके कर्मचारी चोरी आदि कर के उठा सकते हैं।

आपके पिता कुछ अस्वस्थ हो सकते हैं, और उनकी शल्य क्रिया होने की भी कुछ संभावना है। आपको संचार के माध्यम से कुछ अशुभ समाचार प्राप्त हो सकता है, जिससे आप अधिक परेशान हो सकते हैं। अपने किसी मित्र से लिया कोई पुराना कर्ज आप चुकाने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण आप इसमे सफल नहीं हो सकते हैं। इतना होने के बावजूद आपमें आत्मबल की कमी नहीं होगी। आपके शत्रु आपके लिए बाधायें उत्पन्न कर सकते हैं, लेकिन आप उनकी परवाह ना करते हुए काम में लगे रहें, आपको निश्चित रूप से सफलता प्राप्त होगी।

यदि आप पत्रकारिता, लेखन, समीक्षा या संपादन से संबंधित कार्य करते हैं, तो काफी सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आपको दूसरे व्यक्तियों की सोच की चिंता नहीं हो सकती है। यदि आप चिकित्सा या केमिस्ट के क्षेत्र में हैं, तो इस समय आपको हानि हो सकती है। आपकी दी हुई दवा किसी को विपरित

प्रतिक्रिया/रियेक्शन कर सकती है। विशेष सावधानी बरतें। यदि आप समाज सेवा या परोपकार में लिप्त हैं, तो आपको काफी उत्तम फल प्राप्त हो सकता है। आपको इस चरण के दौरान मानसिक स्थिरता बनाये रखनी चाहिए।

तृतिय ढ़ैय्या (जन्म चन्द्र से दूसरे) का फल

गोचर राशि –तुला

Start -28:01:2041

End -06:02:2041

Duration -0 y.0 m.9 d.

शनि के वक्री होने के कारण आगे दिए हुए समय में भी शनि साढेसाती का प्रभाव रहेगा।

Start -26:09:2041

End -12:12:2043

Duration -2 y.2 m.16 d.

आपको इस चरण में मिश्रित फल प्राप्त होगा। फल का स्वभाव आपकी कुण्डली में चल रही महादशा पर अधिक निर्भर करेगा। शुरू में आपको अशुभ फल प्राप्त हो सकते हैं, लेकिन बाद में शुभ फल प्राप्त होने लगेंगे। आप कोई भी काम काफी सोच–विचार के बाद ही करें। अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें एवं कोई भीकाम जल्दबाजी में ना करें, हानि हो सकती है। आप पर काम का बोझ बढ़ सकता है, लेकिन यह भविष्यके लिए फायदेमंद होगा। इस समय आपको धन लाभ हो सकता है। यदि आप पर कोई कर्ज है, तोआप उसे चुकाने में सक्षम होंगे। आप भूमि, भवन या वाहन खरीद सकते हैं। अपनी माता से कोई उपहारप्राप्त हो सकता है। अपने विरोधियों से सावधान रहें।

यदि आप व्यवसाय करते हैं, तो अपनी मेहनत एवं दिमाग से तरक्की करेंगे। आपको अपने व्यवसाय में चोरी होने की काफी संभावना है। अपने कर्मचारियों से सावधान रहें। अधिक कार्यभार होने के कारण आप अपने परिवार पर पर्याप्त समय नहीं दे सकते हैं, जिसकी वजह से आपके परिवार वाले आपसे नाराज हो सकते हैं। यदि आप नौकरी करते हैं, तो मनचाहे स्थान पर अपना स्थानान्तरण करवा सकते हैं। आपके अधिकारी आपसे खुश रह सकते हैं, लेकिन आपके सहयोगी उन्हें भड़का सकते हैं। किसी भी कागज पर बिना पढ़े हस्ताक्षर ना करें। यदि आप आर्थिक लेन–देन के क्षेत्र में हैं, तो आपको काफी सावधान रहना चाहिए, आप पर रिश्वत का आरोप लग सकता है। नेताओं से दूर रहें, उन्हें किसी भी तरह से नाराज ना करें।

आप परोपकार एवं धार्मिक कार्यों में बढ़–चढ़ कर हिस्सा लेंगे, जिससे आपको समाज में सम्मान मिलेगा। आपको धार्मिक साहित्य के अध्ययन में रूचि हो सकती है। आप धार्मिक स्थल की यात्रा भी कर सकते हैं।यदि आप अभी विद्यार्थी हैं, तो खूब मेहनत करें, अन्यथा परीक्षा में असफल हो सकते हैं। चरण के मध्य काल में आपकी माता अस्वस्थ रह सकती हैं, जिसकी वजह से आप काम पर ध्यान नहीं दे पाएंगे। इससे आपको आर्थिक हानि हो सकती है। कुछ समय बाद आपकी माता स्वस्थ हो जाएंगी और आप अपने काम पर पुनः ध्यान देने लगेंगे। अधिक कार्य होने के कारण आप घर पर समय नहीं दे पाएंगे, जिसकी वजह सेआपके जीवनसाथी नाराज हो सकते हैं। अतः परिवार पर भी पर्याप्त समय दें। इस समय आपकी आर्थिकउन्नति होगी। अपने मित्रों एवं रिश्तेदारों से मधुर संबंध बनाकर रखें। वाणी पर संयम बहुत जरूरी है। आपके शत्रु आपको हानि पहुंचाने का प्रयास करेंगे, लेकिन वे सफल नहीं हो पाएंगे। आप उनकी परवाह ना करते हुए अपना काम करते रहें।

इस समय आप पैरों में दर्द से पीड़ित रह सकते हैं। अधिक मेहनत एवं भाग–दौड़ के कारण आपका

शरीर कमजोर हो सकता है। वैसे तो आपको पैसे की कमी नहीं होगी, लेकिन आप हमेशा अधिक धन कमाने के बारे में सोचते रह सकते हैं। आप सुख की प्राप्ति के लिए इधर–उधर भटक सकते हैं और अपनेघर पर ध्यान नहीं दे सकते हैं। आप लोगों पर वर्चस्व पाने की कोशिश में लगे रहेंगे। धन कमाने के लिए आप किसी दूरस्थ स्थान या विदेश भी जा सकते हैं। आपको उंचाई से गिरने, वाहन से चोट, आग, बिजली या किसी जानवर से चोट का खतरा हो सकता है। आपको काफी सावधानी से काम करना चाहिएऔर ईश्वार का ध्यान करते हुए आगे बढ़ते रहना चाहिए।

कंटक शनि (जन्म चन्द्र से चौथे) का फल

गोचर राशि –धनु

Start -08:12:2046

End -06:03:2049

Duration -2 y.2 m.27 d.

शनि के वक्री होने के कारण आगे दिए हुए समय में भी शनि साढेसाती का प्रभाव रहेगा।

Start -10:07:2049

End -04:12:2049

Duration -0 y.4 m.25 d.

इस चरण का फल आपके लिए काफी अशुभ हो सकता है। आपको एक साथ कई रोग हो सकते हैं। इन रोगों के कारण आप काफी निराश हो सकते हैं। आपके पिता को भी कष्ट हो सकता है, जिससे आप परेशान हो सकते हैं। यदि किसी क्रूर/अशुभ ग्रह की दशा भी चल रही है, तो आप किसी नजदीकी का वियोग भी सह सकते हैं। संचार के माध्यम से कोई अशुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। यदि आप नौकरी करते हैं, तो आपके सहकर्मी आपके साथ शत्रुतापूर्ण व्यवहार कर सकते हैं। आप पर नित्य नए आरोप लग सकते हैं, जिसकी वजह से आप मानसिक रूप से काफी परेशान हो सकते हैं और अस्पताल में भी भर्ती होसकते हैं। आपकी नौकरी भी छूट सकती है।

आपका कोई पुराना शत्रु अचानक आपके सामने आ सकता है, जिसकी वजह से आप परेशन रह सकते हैं।इस समय कोई भी आपकी मदद को नहीं आएगा। आप कई प्रकार से हानि उठा सकते हैं और आर्थिकहानि हो सकती है। यदि आप कोई व्यवसाय करते हैं, तो आपका व्यवसाय बंद होने के कगार पर हो सकता है। यदि किसी शुभ ग्रह के प्रभाव से आपका व्यवसाय बच जाता है, तो भी हानि तो होनी ही है। शत्रु आपके व्यवसाय की बदनामी फैला सकते हैं। आपके किसी कर्मचारी को लालच देकर आपकी गुप्त सूचनाएं एकत्र कर सकते हैं और छापा पड़वाने में मुख्य भूमिका निभा सकते हैं। आपको सत्तापक्ष से भी हानि हो सकती है। आपका कोई भुगतान रूक सकता है। आप जो भी काम करें, सोच–समझ कर ही करें। अनुकूल समय का इंतजार करें एवं बुरे समय को ईश्वर का ध्यान करते हुए निकाल दें।

वाहन चलाते समय काफी सावधानी बरतें, दुर्घटना की संभावना हो सकती है। सिर में गंभीर चोट लगने कीअधिक संभावना है। आपके मामा या मौसी की ओर से आप पर कोई गंभीर आरोप लग सकता है, जिसकी वजह से आपकी माता को कष्ट हो सकता है। उनका स्वास्थ्य खराब हो सकता है। आपके जीवनसाथी का व्यवहार भी आपके प्रति परिवर्तित हो सकता है, जिसकी वजह से आप मानसिक रूप से परेशान हो सकते हैं। आप गलत कार्यों की तरफ आकृष्ट हो सकते हैं। सत्तापक्ष से भी दण्ड मिल सकता है। इस चरण में आपके धनोपार्जन के सारे प्रयास विफल हो सकते हैं, और जो कुछ भी आप कमायेंगे वो सब भोग–विलास में गवां सकते हैं।

यदि आपकी आयु 34 से 47 वर्ष के मध्य है और राहु भी अशुभ है, तो आपको कारावास भी हो सकता है।

यदि मंगल अशुभ है, तो किसी दुर्घटना में अपना कोई अंग भी गंवा सकते हैं। इस दौरान आप अपने भाइयों से अलग हो सकते हैं और जो कुछ धन बंटवारे से मिलेगा वो फालतू के कार्यों में खर्च कर सकते हैं। आप उचित निर्णय लेने में अक्षम हो सकते हैं। लोगों के प्रति आपका व्यवहार भी बदल सकता है, जिसकी वजह से आपके अपने लो भी आपसे बात करना पसंद नहीं कर सकते हैं। आपमें धर्म के प्रति आस्था कम हो सकती है। आपको धार्मिक कार्यों में मन लगाना चाहिए।

अष्टम शनि (जन्म चन्द्र से आठवें) का फल

गोचर राशि –मेष

Start -07:04:2057

End -28:05:2059

Duration -2 y.1 m.20 d.

इस चरण का फल आपके लिए अधिक अशुभ नहीं हो सकता है। यदि आपकी कुण्डली में शनि किसी शुभभाव में बैठा है, तो आपको शुभ फल अधिक प्राप्त हो सकता है। आपको काफी शारीरिक कष्ट हो सकते हैं, जो कि मृत्युतुल्य हो सकते हैं। आपके भाई–बहनों को भी कष्ट हो सकता है। आप भी रोग ग्रस्त हो सकते हैं। अर्श, भगंदर आदि होने की अधिक संभावना है। आप निम्न तबके की महिलाओं के सम्पर्क में आ सकते हैं, जिससे आप समाज में अपमानित हो सकते हैं। आपको अपना चरित्र एवं व्यवहार साफ रखना चाहिए। आपका अवैध संबंध बहुत जल्द लोगों के सामने आ सकता है और आपके परिवार में क्लेश हो सकता है।

यदि आप विद्यार्थी हैं, तो आपको अपने समाज पर ध्यान देना चाहिए, क्योंकि इस चरण के दौरान आपके भटकने की काफी संभावना है। अध्ययन के क्षेत्र में आपको सफलता प्राप्त हो सकती है। आपको अपने खर्चे पर नियंत्रण रखना चाहिए और जितना पैसा घर से मिलता है, उतने में ही काम चलायें। अधिक सपनेना देंखें। आप नित्य कई गलतियां कर सकते हैं बाद में आपको पछतावा भी होगा, लेकिन ग्रहों के प्रभाव से पुनः वहीं गलतियां दोहराते रहेंगे। आप अपने कार्यों से ही अपने लोगों में हंसी के पात्र बन सकतेहैं। आप अपने कार्यों को कार्यान्वित करने के लिए फरेब का सहारा भी ले सकते हैं। लोग आपकी बातों पर विश्वास नहीं कर सकते हैं। आपके अपने लोग भी आपका साथ छोड़ सकते हैं। आपके व्यवहार में आए परिवर्तन से आपके दोस्त भी दुश्मन बन सकते हैं। आपके पुराने शत्रु आपके कामों में बाधा पहुंचा सकते हैं। आपका कोई शत्रु आपसे मित्रता कर आपसे गलत कार्य करवा सकता है, सचेत रहें।

यदि आप व्यवसाय करते हैं, तो आपके कपटपूर्ण वयवहार के कारण कई लोग आपके साथ व्यापार बंद करसकते हैं। आपका मन अपने कारोबार में नहीं लग सकता है। आप आलसी हो सकते हैं, जिसकी वजहसे आप व्यवसाय में पिछड़ सकते हैं तथा आपके कर्मचारी इसका लाभ उठा सकते हैं। व्यापार में आर्थिक संकट आ सकता है और आप कर्जदारों से मुंह छिपा सकते हैं। यदि आप नौकरी करते हैं, तो शारीरिक अक्षमता के कारण आपका मन अपने काम में नहीं लग सकता है। आप समय पर अपना काम पूरा नहीं कर पाएंगे, जिससे आपके वरिष्ठ अधिकारी आपसे नाराज हो सकते हैं और आपका स्थानान्तरण भी हो सकता है। आपको कोई दण्ड भी मिल सकता है। इस समय आप सिर्फ अपना स्वार्थ देख सकते हैं। आप सिर्फ धनोपार्जन के बारे में सोच सकते हैं। आप रिश्वत आदि भी लेना शुरू कर सकते हैं, लेकिनयह सबके सामने आ जाएगा। आपके सहयोगी ही आपको रंगे हाथ पकड़वा सकते हैं।

यदि आपकी आयु 34 से 46 वर्ष के मध्य है, तो आपको अधिक कष्ट हो सकता है। इस चरण के दौरान आप अधिकांश समय अस्वस्थ ही रहेंगे, लेकिन आप जब स्वस्थ होंगे, तो आप पर काम–वासना हावी रहेगा। आप अप्राकृतिक संबंध भी बना सकते हैं, जिससे आपको गुप्त यौन रोग होने का खतरा हो सकता है।

शनि साढेसाती एवं ढ़ैय्या के उपाय

शनि की साढ़ेसाती या ढैया के अशुभ प्रभावों को कम करने के लिए नीचे लिखे उपायों को करें–

मंत्र–

1– महामृंत्युंजय मंत्र का सवा लाख जाप (रोज 10 माल, 125 दिन) करें। –

ऊँ त्रयम्बकम् यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्द्धनं।
उर्वारूकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्।।

2– शनि के निम्नदत्त मंत्र का 21 दिन में 23 हजार जाप करें–

ऊँ शन्नोदेवीरभिष्टय आपो भवन्तु पीतये।
शंयोरभिस्रवन्तु नः। ऊँ शं शनैश्चराय नमः।।

3– पौराणिक शनि मंत्र–

ऊँ नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम्।
छायामार्तण्डसम्भूतं तं नमामि शनैश्चरम्।।

स्तोत्र –

नीचे लिखे शनि स्तोत्र का 11 बार पाठ करें या दशरथ कृत शनि स्तोत्र का पाठ करें।

कोणस्थः पिंगलो बभ्रुः कृष्णो रौद्रोऽन्तको यमः।
सौरिः शनैश्चरो मन्दः पिप्पलादेन संस्तुतः।।
तानि शनि–नामामि जपेदश्वत्थसन्निधौ।
शनैश्चरकृता पीड़ा न कदाचिद् भविष्यति।।

साढ़ेसाती पीड़ानाशक स्तोत्र– पिप्पलाद के अनुसार–

नमस्ते कोणसंस्थय पिंड्गलाय नमोस्तुते।
नमस्ते बभ्रु रूपाय कृष्णाय च नमोस्तु ते।।
नमस्ते रौद्रदेहाय नमस्ते चान्तकाय च।
नमस्ते यमसंज्ञाय नमस्ते सौरये विभो।।
नमस्ते यमदसंज्ञाय शनैश्वर नमोस्तु ते।
प्रसादं कुरु देवेश दीनस्य प्रणतस्य च।।

रत्न–

शनिवार के दिन काले घोड़े की नाल या नाव के तली की कील का छल्ला बनाकर मध्यमा उंगली में धारण करना चाहिए।

व्रत–

शनि वार का व्रत रखना चाहिए एवं शनि देव की पूजा करनी चाहिए। शनिवार व्रतकथा पढ़ने से भी लाभ प्राप्त होता है। व्रत के दौरान दिन में फलाहार करें, एवं सायंकाल हनुमान जी या भौरव जी का दर्शन करना चाहिए। रात्रि में काले उड़द की खिचड़ी (काला नमक मिला सकतेहैं) या उड़द की दाल का मीठा हलवा ग्रहण कर सकते हैं।

दान –

शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए उड़द, तेल, नीलम, तिल, भैंस, लोहा एवं काला कपड़ा दान करना चाहिए।

औषधि –

हर शनिवार को सुरमा, काले तिल, सौंफ और नागरमोथा मिले हुए जल से स्नान करना चाहिए।

कन्या राशि वालों के लिए शनि की साढ़ेसाती एवं ढैया के सामान्य उपाय–

1– शनि यंत्र को पूजास्थल में रखकर नित्य उसके सामने चालीसा का पाठ करें।

2– प्रत्येक बुधवार को विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करें।

3– बुधवार को हिजड़ों को कुछ पैसा देकर उनका आशीष लें।

4– शनिवार को अंधेरा होने पर पीपल के पास जाकर आटे में हरी मसूर का आटा मिलाकर दीपक बनायें। सरसों के तेल में एक कील रखें तथा 11 साबूत हरी मसूर के दाने मिलाकर रूई की ऐसी दो समानान्तर बत्ती बनायें जो जलने पर एक ही लौ दे, पीपल को अर्पित करें तथा मीठा जल भी अर्पित करें।

5– अधिक कष्ट होने पर श्री दुर्गा सप्तशती में से कोई मंत्र चुनकर नियमित जाप करें।

6– शयनकक्ष के पलंग के चारों पायों में लोहे की चार कील ठुकवायें।

7– किसी भी शुक्लपक्ष में नौ वर्ष से कम आयु की 8 कन्याओं को भोजन करवाकर हरे एवं

लाल वस्त्र उपहार में दें। ऐसा लगातार पांच मास करें।

8– प्रत्येक शनिवार को छायादान करें।

शनि की साढ़ेसाती एवं ढ़ैय्या के विशेष उपाय –

यदि आपकी कुण्डली में शनि शुभ है, तो भैरोंजी एवं शनिदेव की पूजा–अर्चना कर शनि को और बल देकर लाभ प्राप्त किया जा सकता है। यदि शनि अशुभ या दूषित है, तो शनि के उपाय कर अशुभ फल को खत्म एवं लाभ प्राप्त किया जा सकता है। यदि आपकी कुण्डली में साढ़ेसाती चल रही है या आप शनिकृत कष्ट भोग रहें हैं, तो नीचे लिखे उपायों को करने से आप लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

1– शनि का छाया दान करें एवं नीलम या इसका उपरत्न धारण करें।

2– शनिवार को काली गाय की सेवा करें। तिलक–बिन्दी कर उसके सींग पर कलावा बांध कर बूंदी के आठ लड्डू खिलायें एवं चरण स्पर्श करें।

3– काले कुत्ते को नियमित रूप से मीठी रोटी खिलायें।

4–यदि आपकी कुण्डली में शनि लग्न में बैठा है, तो जमीन में सुरमा गाड़ें।

5– शनिवार का व्रत रखें तथा पीपल की सेवा करें एवं मीठा जल अर्पित करें।

6– मद्यपान ना करें।

7– शनिवार को अंधेरा होने पर पीपल के वृक्ष पर हनुमान जी का स्मरण कर तिल के तेल केदीपक में सिंदूर डालकर लाल पुष्प अर्पित करें।

8– भोजन में काली मिर्च एवं काला नमक का प्रयोग अवश्य करें।

9– शनिवार को काले घोड़े के पैर की मिट्टी काले कपड़े में बांधकर ताबीज के रूप में धारणकरें।

10– शनिवार को आप एक माप की आठ बोतलें लें, और हर बोतल में एक ही माप का सरसोंतेल भरें। प्रत्येक में आठ साबुत उड़द के दाने एवं एक कील डालें। फिर आठों बोतलों को अपने उपर से आठ बार उसार कर बहते जल में प्रवाहित करें। यह क्रिया लगातार आठ शनिवार करें।

11– नियमित रूप से शनि चालीसा एवं उनके 108 नामों का उच्चारण

करें।

12– प्रातः उठते ही बासी मुख से शनिदेव के दस नामों का उच्चारण तथा द्वाद्वशज्योतिर्लिंग के नामों का उच्चारण करें।

13– प्रत्येक शनिवार को काले कुत्ते को रोटी पर सरसों का तेल चुपड़ कर गुड़ रख कर खिलायें एवं बंन्दरों को चने खिलायें।

14– शुक्रवार को लोहे के बर्तन में आठ किलो चने भिगों दें। शनिवार को काले कपड़े में सारे चने रखें। साथ में 800 ग्राम काली उड़द और इतने ही काले तिल के साथ इतने ही जौ एवं एक लोहे की पत्ती रखें। इसकी पोटली बनाकर ऐसे स्थान पर डालें जहां मछलियां हों। यह क्रिया लगातार आठ माह करें। शुरू में आठ माह करें, इसके बाद वर्ष में सिर्फ एक बार पर्याप्तहोगा।

15– अंधेरा होने के बाद आटा मिश्रित उड़द का दीपक बनाकर उसमें दो बत्ती जो जलने पर एक ही लौ दे, सरसों के तेल में जलायें। एक दीपक पीपल एवं एक दीपक वट वृक्ष पर अर्पित करें। साथ ही गुग्गुल की धूप एवं चंदन की अगरबत्ती भी अर्पित करें। यह उपाय पहले शनिवार से शुरू करें।

16– प्रथम शनिवार को आठ मीटर काले कपड़े में 800 ग्राम की मात्रा में काली उड़द, चावल, गुड़, काली सरसों, काले तिल, जौ, आठ बड़ी कीलें तथा एक–एक सुरमा एवं इत्र की शीशी को कपड़े में बांधकर पोटली का रूप दे दें। अलग से 10 छिलके वाले बादाम लेकर किसी भी हनुमान मंदिर में जायें और पोटली एवं बादाम मंदिर में हीं कहीं रख दें। फिर स्टील की कटोरी में सिंदूर को चमेली के तेल से गीला कर प्रसाद एवं पीले फूलों के साथ प्रभु को अर्पितकरें। बैठकर हनुमान चालीसा का पाठ करें, और सात बार परिक्रमा करें। तत्पश्चात पोटली मंदिर में ही छोड़ दें। दस बादाम में से आधे बादाम भी मंदिर में ही छोड़ दें और बाकीके बादाम लाकर किसी नये लाल कपड़े में बांधकर अपने धन रखने के स्थान पर रख दें।कष्टमुक्ति के साथ लाभ प्राप्त होगा।

17– आठ शनिवार लगातार किसी ब्राह्मण को उड़द की दाल की खिचड़ी खिलायें। दान में काले कपड़े में उड़द की दाल की ही खिचड़ी बांधकर आठ सिक्के के रूप में दक्षिणा दें।

18– पहले शनिवार को अपने से 19गुना अधिक काला धागा लेकर उसे एक माला का रूप दें,जो गले में पहनी जा सके। किसी भी शनि मंत्र से अभिमंत्रित कर धूप दिखायें। फिर उस माला को गले में धारण करें। तुरंत लाभ मिलेगा।

19– शनिवार को घर में पूजास्थल में बैठकर यह क्रिया करें। इस क्रिया में आठ उड़द मिश्रितदीपक बनाकर उसमें सरसों का तेल भरें। दीपक में दो बत्तियां बनाकर उन्हें एक साथ जलायें, ताकि जलने पर एक ही लौ दे। दीपक में थोड़ा सा सिन्दूर के साथ काले घोड़े की नाल का छल्ला एवं एक कील डालें। काले हकीक की माला से किसी भी शनि मंत्र का 11

माला जाप करें और प्रणाम कर उठ जायें। अगले दिन छल्ला निकालकर दायें हाथ की मध्यमा में धारण करें और दीपक किसी पीपल पर अर्पित कर दें।

20– प्रत्येक शनिवार को आप चोकर सहित तीन मोटी रोटियां अपने ही हाथ से बनायें। एक रोटी के एक ओर सरसों एवं दूसरी ओर शुद्ध घी लगायें। अन्य दो रोटियों में से एक पर घी और एक पर सरसों का तेल चुपड़कर उस पर गुड़ रखें। दोनों ओर चुपड़ी रोटी काली गाय को, सरसों के तेल वाली रोटी कुत्ते को एवं घी चुपड़ी रोटी किसी गरीब मजदूर को दे दें।

21– शमी वृक्ष या बिछुआ की जड़ को शनिपुष्य या शनिवार के श्रवण नक्षत्र में लाकर काले कपड़े में बांध कर अपनी दायीं भुजा पर बांधें। तुरन्त लाभ होगा।

22– किसी भी पहले शनिवार को आप आठ मीटर काला कपड़ा, एक जटा नारियल, काले तिल, काली उड़द, गुड़, जौ, काली सरसों, काला नमक प्रत्येक सामग्री 800 ग्राम, हवन सामग्री, आठ बड़ी टोपीदार कील, इतने ही सिक्के तथा बोतल में 800 ग्राम सरसों एवं चमेली का तेल, दो शीशी काजल तथा दो शीशी काले सुरमे लेकर कपड़े की पोटली बना दें। अपने सिर से सात बार उसार कर किसी डाकौत को दान कर दें। यह उपाय लगातार आठ माह करें। फिर वर्ष में दो बार कर सकते हैं।

23– मांस–मदिरा से दूर रहें।

24– किसी के सामने अपनी समस्याओं या कष्टों के बारे में बात ना करें।

25– घर के मुख्य द्वार की देहरी पर चाँदी का पत्तर दबायें।

26– काले वस्त्र धारण करें।

27– घर के किसी अंधेरे भाग में किसी लोहे के पात्र में सरसों का तेल भरकर उसमें ताँबे के सिक्के डालकर रखें।

28– शनिदेव की कोई भी वस्तु बिना पैसे दिये किसी से भी ना लें।

29– काले घोड़े की नाल लाकर घर के मुख्य द्वार के नीचे दबायें।

30– शनिवार को काले घोड़े की पूंछ के आठ बाल लेकर उन्हें किसी लकड़ी की डिब्बी में रखकर 43 दिन तक अपने शयनकक्ष में रखें। अंतिम दिन बाल को जलाकर उसकी राख को सरसों के तेल में मिलाकर बहते जल में प्रवाहित कर दें।

31– शुक्रवार को 800 ग्राम काले तिल पानी में भिगों दें। अगले दिन उन्हें पीस कर गुड़ के साथ मिलाकर लड्डू बनायें और काले घोड़े को खिलायें। यह उपाय आठ शनिवार

करें।

32– साढ़ेसाती के दौरान अपनी पैतृक संपत्ति ना बेचें। अधिक कष्ट में पड़ सकते हैं।

33– रात्रि के समय सिर्फ शनि का दान करें, किसी को शनि की वस्तु ना दें।

34– नियमित रूप से महामृत्युंजय मंत्र का जाप करें, कष्टों में कमी आयेगी।

35– शनिवार को श्री भैरों मंदिर में शराब अर्पित करें, कष्टों में कमी आयेगी।

36– किसी शनिवार को वीराने स्थान में आठ शीशी सुरमें दबायें।

37– शिवलिंग पर दूध से अभिषेक करें।

38– प्रत्येक शनिवार को किसी सिद्ध हनुमान मंदिर में नारियल अर्पित करें।

39– अपने शयनकक्ष के पलंग के चारों पायों में लोहे की कील ठुकवायें।

40– अपने घर के दक्षिण एवं पश्चिम में कोई पत्थर की शिला रखें।